हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 6 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 38.1 डिग्री
न्यूनतम 22.3 डिग्री

11 अंबाला के गांव छजुमाजरा निवासी किसान राजेंद्र बने ...

12 उपमंडल कार्यालय का डीसी ने किया निरीक्षण ...

खबर संक्षेप

कमालपुर में ट्यूबवेल की सात मोटरें चोरी

यमुनानगर। गांव कमालपुर निवासी दलीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 जून को वह अपने खेतों से काम निपटा कर घर आ गया था। अगली सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे ट्यूबवेल के कमरे का लगा ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर कमरे से ट्यूबवेल की मोटर गायब मिली। जांच करने पर उन्हें मालूम हुआ कि चोरों ने रात को उनके पड़ोसियों की सात मोटरें चोरी कर ली। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

हेरोइन तस्करी में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज नशा तस्करी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी किरण उर्फ कर्ण को गिरफ्तार किया है। 11 अक्टूबर 2024 को सीआईए-2 को सूचना मिली थी कि आरोपी नशा तस्करी का कार्य करता है। सूचना के आधार पर बंदरी वाला मंदिर रेलवे स्टेशन के पास से पुलिस ने डेहा कॉलोनी के रिक्की को 20 ग्राम 24 मिलिग्राम हेरोइन बरामद की थी।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सूरज को गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 30 जून 2025 को आरोपी सूरज ने नेपाली कॉलोनी में स्थित उसके घर में घुस कर चांदी की पायल व नकद राशि चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

नशा तस्कर को कैद व जुर्माना

पानीपत। एएसजे योगेश चौधरी की कोर्ट ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोपी प्रवीण निवासी इंदिरा कालोनी, पानीपत को दोषी करार देते हुए चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने प्रवीण पर 10 हजार रुपए का जुर्माना किया, नहीं, देने पर दोषी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में खास बात यह है कि सरकार की तरफ से स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कुलदीप ढुल ने सजा दिलवाने में अहम भूमिका निभाई है। इस केस में मॉडल टाउन थाना में 11 नवंबर सन 2020 को आरोपी प्रवीण पर मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में केस दर्ज किया गया था।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत में कुलदीप निवासी भरतपुर, राजस्थान ने 43 साल की महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने बहका कर महिला का उसके पति से तलाक भी करवाया। आरोपी खुद को पुलिस की खुफिया एजेंसी में 15 साल नौकरी करने पर बने हाई प्रोफाइल लिंक की धौंस दिखाई। कुलदीप ने महिला के पुत्र को विदेश भेजने का झांसा देकर भी पांच लाख रूपये की ठगी की। इधर, पीडित महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके बयान दर्ज किए और उसकी मेडिकल जांच करवाई। पुलिस ने आरोपी पर आईपीसी की धारा 376, 420, 406, 506 व 34 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोडवेज बस की ट्राले से टक्कर, पांच गंभीर

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह के पास जीटी रोड पर पुलिस लाइन के सामने हरियाणा रोडवेज की कैथल डिपो की बस ट्रॉले में घुस गई। हादसे में बस का चालक अशोक निवासी गांव हरसौला, यात्री अशोक, रजनी, कैथल के सांच गांव का रॉबिन और करनाल की विमी गोयल गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां बस चालक अशोक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। इधर, पुलिस ने बस के कंडक्टर भूपेंद्र से पूरी जानकारी ली।

सैकड़ों भक्तों ने शामिल होकर श्रीठाकुर जी का आशीर्वाद लिया

धर्मनगरी में निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, भगवान का रथ खींचने के लिए उमड़े श्रद्धालु, जयकारें और वैदिक मंत्र गूंजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से शनिवार को शहर में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा सोमवार को धूमधाम से निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों भक्तों ने शामिल होकर श्रीठाकुर जी का आशीर्वाद लिया। धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान श्रीजगन्नाथ, बलरामजी और सुभद्रा को रथ में सुशोभित किया गया। श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर अध्यात्मिक शांति महसूस की और जय श्रीजगन्नाथ के जयकारों के साथ लोगों ने नाचकर प्रभु आनंद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र भगवान जगन्नाथ के जयकारों और वैदिक मंत्रों से गूंजता रहा। रथ यात्रा के पावन अवसर पर सैकड़ों की संख्या में जुटे श्रद्धालुओं में भगवान की एक झलक पाने और उनके रथ की रस्सी खींचने को लेकर होड़ मची रही। इससे पहले दोपहर को ज्योतिसर स्थित श्रीकृष्ण अर्जुन मंदिर में महाआरती की गई। शाम को गौड़ियां मठ से भगवान जगन्ननाथ की भव्य रथ यात्रा शुरू की गई। शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा की पूजा अर्चना की गई। कई भक्तजन सड़कों पर झाड़ू लगाते हुए आस्था की भवसागर में डूबकी लगाते रहे। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ का गुणगान होने से समूचा वातावरण धर्ममय बना रहा। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में श्रद्धालु ढोल एवं इस्कॉन के भक्तों द्वारा मृदंग एवं करताल के साथ भगवान के रथ के आगे कीर्तन करते हुए चले रहे थे। दिल्ली से इस्कॉन कुछ वैष्णव सन्यासी भक्त भी भजन गाते हुए यात्रा के साथ चल रहे थे। शहर में आठ जगहों पर क्रेन से जगन्नाथ को भोग लगाया गया। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष साक्षी गोपाल ने बताया कि शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान का रथ पर दर्शन करने मात्र से कोटि जन्मों के पाप नष्ट हो जाते है और यही कृपा देने के लिए भगवान रथ पर बैठकर सड़कों पर दर्शन देते है।

कुरुक्षेत्र। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की रस्सी को खींचते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

दुल्हन की तरह सजा शहर स्वागत में लगाए तोरण द्वार

यात्रा में भगवान जगन्नाथ ने अपने भाई बलदेव और बहन सुभद्रा महारानी के साथ कैथल शहरवासियों को रथ पर विराजमान हो कर दर्शन दिए। उनके स्वागत के लिए पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। शहर में जगह-जगह स्वागत के लिए तोरण द्वार बनाए गए थे और रंग बिरंगी लाइटों से सडकों को सजाया गया था। गौड़ियां मठ से शुरू होकर रथ यात्रा बिरला मंदिर, मीरी पीरी चौक, रेलवे रोड, पिपली रोड होते हुए सेक्टर 13 के कांग्रेस भवन पर जाकर समाप्त हुई।

अंबाला: बर्फखाना की जमीन को लेकर चल रहा है विवाद

विवादित जमीन की लीज वापस लेने की तैयारी में नगर परिषद

- नगर परिषद ने राज्य सरकार को भेजा प्रस्ताव
- स्वीकृति मिलते ही जमीन पर कब्जा लेकर इसकी चारदीवारी कराई जाएगी
- बर्फखाने की कुल 5 एकड़ जमीन है, ढाई एकड़ लीज पर है, यहां सर्विस सेंटर, 10 से 12 घर, फर्नीचर बनाने वाले कारखाने और रेस्टोरेंट है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी में बर्फखाने की जमीन पर उठे विवाद के बाद नगर परिषद की ओर से इस पर काबिज लोगों से लीज वापस लेने का निर्णय लिया है। इसके लिए नगर परिषद ने एक प्रस्ताव तैयार कर सरकार को स्वीकृति के लिए भेजा है। इसकी स्वीकृति मिलते ही जमीन पर कब्जा लेकर इसकी चारदीवारी कराई जाएगी। यह जमीन सरकार की मलकियत है। कब्जा लेने के बाद सरकार अगर इस जमीन का प्रयोग करना चाहती है तो वह कर सकेगी।

इस जमीन पर किसी परियोजना को भी लाया जा सकता है। नगर परिषद अब सरकार की अनुमति आने का इंतजार कर रही है। सरकार ने अनुमति दी तो जमीन पर काबिज लीजधारकों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। यह एक्साइज एरिया की जमीन है। जिसकी मलकियत राज्य सरकार के पास है। कई वर्ष पहले इस जमीन को नगर परिषद ने राजस्व प्राप्त करने के लिए एक बर्फ का काम करने वाले कारोबारी को लीज पर दी थी। इसके बाद कारोबारी के बेटे ने जमीन को किसी और के सुपुर्द कर दिया। यह मामला जब अदालत में गया तो कारोबारी के बेटे को यह जमीन दे दी गई। बर्फखाने की कुल 5 एकड़ जमीन है। इसमें ढ़ाई एकड़ जमीन लीज पर है। यहां सर्विस सेंटर, 10 से 12 घर, फर्नीचर बनाने वाले कारखाने और एक रेस्टोरेंट है। बकाया ढाई एकड़ जमीन खाली है। बता दें कि कुछ दिन पहले बर्फखाने की जमीन पर जेसीबी चलने की सूचना नगर परिषद के पास पहुंची थी। इसके बाद जमीन पर अपना दावा करने वाले व्यक्ति से पूछताछ की गई तो उसने किसी भी तरह की कार्रवाई से इनकार किया। मामले में नगर परिषद ने इस जमीन को राज्य सरकार की मलकियत बताते हुए चेतावनी बोर्ड लगा दिया। जिससे कि कोई जमीन की खरीद फरोख्त न कर सके। इस जमीन को लेकर दूसरा पहलू यह है कि जमीन का दावा करने वाला व्यक्ति अपने पास नगर परिषद से जुड़े प्रमाण पत्र होने का दावा कर रहे हैं। यह मामला अदालत में भी जा चुका है। यहां से नगर परिषद को हार मिली थी।

बारिश में मक्का भीगा

तेज बरसात से अनाज मंडी इंद्री में पड़ा हजारों क्विंटल पड़ा मक्का भीगा

- अधिकारी बोले-मक्का खरीदारों आढती व किसानों को कोई नुकसान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

शनिवार दोपहर को आई तेज बरसात के कारण अनाज मंडी इंद्री में पड़ा हजारों क्विंटल मक्का भीग गया और मक्का पानी मे बहता रहा । जिससे मार्किट कमेटी के अनाज मंडी में किए गए इंतजामों की पोल खुल गई । हालात ऐसे रहे कि मंडी के फड़ों पर पड़ा हजारों क्विंटल मक्का पानी में बहता रहा लेकिन किसी आढ़ती व खरीदार ने तिरपाल से मक्के को ढकने तक की कोशिश नहीं की और मक्का बरसात के पानी में बहता रहा । इस मामले में मार्किट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह का कहना है की मंडी में मक्के को सुखाने के लिए मक्के के खरीदारों ने मंडी के फड़ों पर सुखाया हुआ था जिसमें आढती व किसानों का कोई नुकसान नहीं हुआ । उन्होंने बताया कि मक्के की बोली दोपहर 12 बजे तक हो जाती है और शनिवार को भी करीब 600 क्विंटल मक्का आया था जिसको बोली पर खरीददारों ने खरीद लिया था । मंडी में पड़ा करीब तीन हजार क्विंटल मक्का खरीदारों ने सुखाया हुआ है इसमें किसानों व आढ़ती का कोई नुकसान नहीं हुआ है ।

योग को ऐच्छिक विषय के रूप में शामिल करने के लिए सरकार ने बनाई राज्य स्तरीय कमेटी

- एनसीईआरटी के निदेशक तथा योग आयोग के रजिस्ट्रार होंगे सदस्य
- योग प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए क्रेडिट आधारित प्रणाली शुरू होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

प्रदेश के स्कूलों में 11वीं एवं 12वीं कक्षा में योग को ऐच्छिक विषय के रूप में पढाने की तैयारी है। योग को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए प्रदेश सरकार ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर दी है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के निदेशक और हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार को इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। जिला योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संवर्धन समिति के सचिव गुलशन कुमार ग्रोवर ने बताया कि हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य ने राज्य सरकार से योग को स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करने का अनुरोध किया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनके इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए इसकी प्रक्रिया आरंभ कर दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक जितेंद्र कुमार ने कमेटी बनाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इस कमेटी को निर्धारित अवधि में अपनी फाइनल रिपोर्ट विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करवानी होगी। उल्लेखनीय है कि पहली से दसवीं कक्षा तक योग को पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय के रूप में पहले ही सम्मिलित किया जा चुका है। अब योग, खेल व अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम तैयार कर अनौपचारिक रूप से परीक्षाएं भी आयोजित की जाएगी। इससे बच्चों को बचपन से ही योग को समझने और जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिलेगी। सरकारी स्कूलों में योग सिखाने का निर्णय भी लिया गया है । पीएम मॉडल संस्कृति और क्लस्टर स्कूलों में 857 योग सहायकों की नियुक्ति की जाएगी। शिक्षा विभाग के 25,000 कर्मचारियों को योग शिक्षक पहले ही बनाया जा चुका है। राजकीय योग शिक्षा एवं स्वास्थ्य महाविद्यालय खोलने का भी प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालयों में योग पर शोध को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही योग लेखक प्रोत्साहन योजना लागू की जाएगी।

विस अध्यक्ष आज करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण रविवार 6 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष दोपहर 2 बजे घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आमजन की समस्याएं सुनेंगे। विधानसभा अध्यक्ष गांव कैरवाली में शाम 4.00 बजे कालरम सडक़ से भीमा पंडित के खेत तक के रास्ते का उद्घाटन करेंगे, शाम 4.15 बजे पीडब्ल्यूडी की मुख्य सडक़ से लीला के घर तक की गली के निर्माण कार्य का शिलान्यास व पब्लिक हेल्थ ट्यूबवैल का उद्घाटन करेंगे।

विदेश भेजने के नाम पर हड़पे 22.49 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

विदेश भेजने के नाम पर ट्रैवल एजेंट ने जगाधरी के हुड्डा सेक्टर-17 निवासी शिव साहनी से 22 लाख 49 हजार रुपये हड़प लिए गए। शिव साहनी अपने लड़के को रोजगार के लिए विदेश भेजना चाहता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शिव साहनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उन्हें मालूम हुआ कि नरेंद्र कुमार युवाओं को विदेश भेजने का काम करता है। वह अपने लड़के के साथ नरेंद्र कुमार से उसके कार्यालय में मिला। आरोपी ने उसे बताया कि वह युवाओं को अलग-अलग देश में भेजकर उन्हें वहां पर रोजगार मुहैया करवाता है। वह उसके लड़के को भी विदेश में भेज देगा। इसके लिए आरोपी ने उससे 15 सितंबर 2024 से 31 अक्तूबर 2024 तक अलग-अलग करके 22 लाख 49 हजार रुपये ले लिए। आरोपी ने उसके लड़के को जल्द विदेश भेजने का आश्वासन दिया। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

8 फर्मों का रिकॉर्ड तलब जांच के बाद तय होगी मालिकों की गिरफ्तारी

अंबाला। अंबाला शहर की अनाज मंडी में सूरजमुखी की खरीद के नाम पर हुई गड़बड़ी के मामले में पुलिस ने नामजद आठ फर्मों से रिकॉर्ड तलब कर लिया है। पुलिस नामजद लालचंद, रघुनाथ दास, जीएसएस ट्रेडिंग, एनएन ट्रेडिंग, रजत ट्रेडर्स, अंकुश ट्रेडिंग एंड कंपनी, अशोक कुमार फर्म से रिकॉर्ड लेकर सबूत जुटाएगी। उसके बाद टीम इन फर्म मालिकों की गिरफ्तारी करेगी। एसडीएम दर्शन कुमार द्वारा की गई प्राथमिक जांच में संबंधित फर्मों द्वारा 1200-1300 क्विंटल की अधिक खरीद की है। इस मामले में हैफेड ने अपने दो मैनेजर रीतू बाला व विजय ढिल्लों को निलंबित किया था।यह पूरा खेल प्रशासन के मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल में मिलीभगत करके किया गया था। अनाजमंडी में 29 जून को बिना गेट पास के दो ट्रक सूरजमुखी की बोरियां सहित दाखिल हो गए थे।

महंगाई की मार | कई सब्जियां बाजारों से गायब, लोगों को मौसम खुलने का इंतजार

बारिश ने बढ़ाए सब्जियों के दाम, रसोई का बिगड़ा बजट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत

बरसात के चलते सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। सब्जियों के दामों में उछाल के कारण सब्जियां रसोई से गायब होती जा रही हैं। सब्जियों में तेजी के चलते आर्थिक बजट बिगड़ गया है। विशेषकर गृहणियों में सब्जियों में आए उछाल के कारण चिंता देखी जा रही है। गृहणियों का कहना है कि दामों में तेजी के कारण रसोई का बजट गडबड़ा गया है। दूसरी ओर आम जन में सब्जियों में आई तेजी के चलते हाहाकार मचा हुआ है। जिसके चलते घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। बारिश ने आम जनता की खानी की प्लेट से खाने का स्वाद छीन लिया है। बता दें कि बरसात का मौसम शुरू होने के बाद सब्जियों के दाम भी यकायक बढ गए हैं। कई सब्जियां या तो मार्किट से गायब हो गई हैं या बहुत महंगी हो गई हैं, जो लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। गृहणी संतोष का कहना है कि सब्जियों के दामों में आए उछाल के कारण वे सब्जियां खरीद नहीं पाती, जिसके कारण रसोई से भी सब्जियां गायब हो रही हैं। गृहणी रीना का कहना है कि अगर सब्जियों के दामों में तेजी रही तो आने वाले दिनों में सब्जियां रसोई से गायब हो जाएंगी।

फसलें नष्ट होने से दिक्कत

सब्जी विक्रेता रामचंद्र का कहना है कि सब्जियों के दामों में तेजी का मुख्य कारण बरसात के कारण सब्जियों की फसलें नष्ट होना है। लोकल सब्जियां खराब होने के कारण बाहर से सब्जियां आ रही हैं। जिसके चलते सब्जियों के दामों में उछाल आ गया है।

इस तरह बढ़े दाम

सब्जी	पहले	अब
टमाटर	20 से 30 रुपये किलो	50 से 80 रुपये किलो
भिंडी	50 रुपये किलो	80 रुपये किलो
फूलगोभी	40 से 60 रुपये किलो	80 से 100 रुपये किलो
मटर	80 रुपये किलो	120 रुपये किलो
टिंडा	80 रुपये किलो	100 से 120 रुपये किलो
तोरी	50 रुपये किलो	80 रुपये किलो
घिया	40 रुपये किलो	50 रुपये किलो
शिमला मिर्च	80 रुपये किलो	120 रुपये किलो
बैंगन	50 से 60 रुपये किलो	80 रुपये किलो
करेला	60 रुपये पिलो	80 रुपये किलो
हरी मिर्च	80 रुपये किलो	120 रुपये किलो
अदरक	120 रुपये किलो	160 रुपये किलो
गाजर	40 रुपये किलो	60 रुपये प्रति किलो
खीरा	20 रुपये किलो	60 रुपये किलो
कद्दू	20 से 30 रुपये किलो	40 से 50 रुपये किलो
प्याज	20 रुपये किलो	30 रुपये किलो
लहसुन	160 रुपये किलो	200 रुपये किलो

बस स्टैंड से परिचालक का बैग चोरी, केस दर्ज

- बैग में थी करीब 20 हजार रुपये की नकदी, टिकट मशीन, टिकट और मोबाइल फोन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर बस स्टैंड के रेस्ट रूम से चोरों ने बस परिचालक का बैग चोरी कर लिया। बैग में करीब 20 हजार रुपये, टिकट मशीन, टिकट व मोबाइल था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।हिमाचल की तहसील पावंटा साहिब के गांव राजपुरा निवासी लाल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हिमाचल रोडवेज में परिचालक के पद पर नौकरी करता है। तीन जुलाई को वह बस लेकर यमुनानगर बस स्टैंड पर आए। इसके बाद वह बस को यमुनानगर बस स्टैंड पर खड़ा करके रेस्ट रूम में आराम करने लगा। उसने अपने बैग को रेस्ट रूम में ही अपने पास रखा हुआ था। इस दौरान उसे नींद आ गई। जब वह उठा तो उसे रेस्ट रूम से बैग गायब मिला। उसने बैग की आसपास काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। उसने बताया कि उसके बैग में करीब 20 हजार रुपये की नकदी, टिकट मशीन, टिकट व मोबाइल था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। बाद में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शतरंज में 10वीं कक्षा का छात्र कनिश प्रथम, 12वीं का सानीर रहा द्वितीय

रावमावि बापा में धूमधाम से मनाया शतरंज दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बापा में शनिवार को शतरंज दिवस धूमधाम से मनाया गया। मौके पर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य सुभाष चंद ने कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया और रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शतरंज प्रतियोगिता में कक्षा छठी से बारहवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। कक्षा दसवीं के छात्र कनिश ने प्रथम स्थान, कक्षा बारहवीं के छात्र सानीर ने दूसरा व छात्र प्रदीप कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने शतरंज के नियमों व रणनीतियों से संबंधित सीखने सिखाने का बारीकी से ज्ञान अर्जित किया। मौके पर प्रधानाचार्य सुभाष चंद ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

यमुनानगर। राजकीय स्कूल बापा में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते बच्चे।

शतरंज विद्यार्थियों का समग्र विकास करने में सहायकः प्राचार्य

प्रधानाचार्य सुभाष चंद ने बताया कि शिक्षा विभाग के निर्देश पर प्रदेश के प्रत्येक सरकारी स्कूल में प्रतिवर्ष जुलाई माह के प्रथम शनिवार को शतरंज दिवस के रूप में मनाया जाता है। शारीरिक शिक्षा के अध्यापक हरीश कांबोज ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों के समग्र विकास, तार्किक चिंतन, निर्णायक क्षमता व स्वास्थ्य समाधान जैसी मानसिक क्षमताओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई। हिंदी प्राध्यापक राकेश पांचाल ने बताया कि शतरंज दिवस विद्यार्थियों के मानसिक विकास एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर विवेक छाबड़ा, योगेश शर्मा, हरीश कांबोज, रजनी देवी, राजेंद्र मलिक, सुरेश वर्मा, प्रवीण कुमार, दीपचंद व रीना रानी आदि मौजूद रहे।

नौ को बसों का चक्का होगा जाम रोडवेजकर्मी होंगे हड़ताल में शामिल

डिपो प्रधान महिपाल सौदे की अध्यक्षता में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

डिपो कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को बस स्टैंड पर प्रधान महिपाल सौदे की अध्यक्षता व सचिव राजेश कांबोज के संचालन में हुई। जिसमें नौ जुलाई को ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने पर विचार विमर्श किया गया। महिपाल सौदे ने कहा कि रोडवेज कर्मियों की लंबित मांगो को लेकर सरकार व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी है। मांगो का समाधान करने की बजाए आंदोलन का दमन किया जा रहा है। जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने बताया कि 9 जुलाई की हड़ताल में यूनियन द्वारा बढ़चढ़ कर भाग लिया जाएगा। हड़ताल में एक दिन सरकारी बसों का चक्का जाम किया जाएगा। एसकेएम के जिला सचिव गुलशन भारद्वाज ने सरकार से अतिशीघ्र आठवें वेतन आयोग का गठन करने की मांग की।

समझौते के बावजूद मांगें नहीं माने जाने से कर्मचारियों में रोष

जब तक आठवां वेतन आयोग लागू नही किया जाता है तब तक सभी कर्मचारियों को बढ़ती हुई महंगाई के अनुसार पांच हजार रुपये अंतरिम राहत के रूप मे दिए जाने, आठवे वेतन आयोग से पहले सातवें वेतन आयोग की विसंगतिया दुरुस्त करने, पुरानी पेंशन बहाल करने,हटाए गए कौशल के सभी कर्मचारियों को वापस लेकर उन्हें और सभी तरह के कच्चे कर्मचारियों को पक्का किए जाने, परियोजना कर्मियों को कर्मचारी का दर्जा दिए जाने, बिना शर्त के एक्सग्रेसिया पॉलिसी लागू करने, पूंजीपतियों के हक में बनाए गई चार श्रम संहिताओं को रद्द करने,बढ़ते हुए महंगाई भत्ते के अनुसार आवास भत्ते में बढ़ोतरी करने समेत अन्य सभी लंबित मांगो को पूरा किए जाने की मांग की। इस मौके पर चेयरमैन राज किशोर, संजय कुमार, विपिन कांबोज, बृजभूषण, सज्जन पाल,कुलदीप राणा, गुलाब सिंह,राजेन्द्र कुमार,संजीव कुमार, विक्रम सिंह व संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

वाटिका में 10 को मनेगा गुरु पूर्णिमा का पर्व

रादौर। छोटाबांस के श्री रामविचार वाटिका में 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर आयोजित पर्व कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। वाटिका के महंत स्वामी उदयात्मानंद महाराज ने बताया कि हर वर्ष तरह इस बार भी गुरू पूर्णिमा के अवसर पर दस जुलाई को सुबह के वक्त सबसे पहले हवन पूजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय व अन्य स्थानों से हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि गुरू पूर्णिमा के अवसर पर सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं के लिए वाटिका में भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण जरूरीः मोनिका

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में शनिवार को इको क्लब के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका ने पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर समेत अन्य स्थानों पर सैंकड़ो पौधे लगाए। कार्यक्रम में कक्षा तीसरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रधानाचार्या मोनिका ने विद्यार्थियों को बताया कि पेड़ न केवल हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं। बल्कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना बेहद जरूरी है।

आठवीं कक्षा की छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

मां शाम को फैक्ट्री से घर लौटी तो फंदे पर लटका मिला बेटी का शव

आत्महत्या के कारणों का अभी नहीं हो पाया खुलासा मां ने दरवाजा खोला तो फंके पर लटकता मिला बेटी का शव, सुसाइड नोट भी नहीं मिला

यमुनानगर। सुसाइड की सूचना पर घर के बाहर जमा भीड़ व मृतक छात्रा तान्या का फाइल फोटो। फोटोः हरिभूमि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के आजाद नगर में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मां शाम को जब फैक्ट्री से घर लौटी तो उसे बेटी का शव फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे की तलाशी ली मगर उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। बाद में पुलिस ने शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शनिवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंपकर मामले की जांच शुरू कर दी।

आजाद नगर कॉलोनी निवासी हरविंद्र कौर ने बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। जिसके बाद से वह अपनी 13 वर्षीय लड़की तानिया के साथ घर पर रहती है। उसकी लड़की आठवीं कक्षा में पढ़ती है। वह फैक्ट्री में काम करके घर का गुजारा चलाती है। शुक्रवार को वह प्रतिदिन की तरह फैक्ट्री में गई थी। घर पर उसकी लड़की तानिया थी। शाम को जब वह फैक्ट्री से छुट्टी कर घर पहुंची तो जैसे ही उसने घर का गेट खोला तो उसे अपनी लड़की फंदे पर लटकी मिली। यह देखकर उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई। शोर सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लागों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छात्रा को नीचे उतारा मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घर में तलाशी ली मगर वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। जिससे पता चल सके की छात्रा ने खुदकुशी क्यों की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शनिवार सुबह पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

अलग-अलग स्थानों पर बाइक सवारों ने युवती व महिला से छीना मोबाइल

यमुनानगर। जिले में बाइक सवार दो युवकों ने अलग-अलग स्थानों से एक युवती व महिला से मोबाइल झपट लिया। आरोपियों ने फरकपुर की प्रलाहदपुरी व बिलासपुर बस स्टैंड पर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की हरबंसपुरा कॉलोनी निवासी कृति ने पुलिस ने को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को किसी काम से बाहर गई थी। दोपहर ढ़ाई बजे जब वह घर वापस आ रही थी तो प्रलाहदपुरी कॉलोनी के नजदीक उसके पास परिचित का फोन आया। जब वह पर्स से फोन निकालकर सुनने लगी तो बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया और मौके से फरार हो गए। उसने आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया लेकिन आरोपी भागने में कामयाब हो गए। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बिलासपुर बस स्टैंड पर छीना मोबाइल

गांव भीलछप्पर निवासी पिंकी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वह शुक्रवार को अपनी रिश्तेदारी में गई थी। वहां से जब बस में वापस आ रही थी तो वह बिलासपुर बस स्टैंड पर उतरकर वाहन के इंतजार में खड़ी थी। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया और मौके से फरार हो गए। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बच्चों को स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

■ न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल सुढ़ैल में स्वास्थ्य शिक्षा पर संगोष्ठी।

यमुनानगर। न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल सुढ़ैल में आयोजित संगोष्ठी में चिकित्सकों को सम्मानित करते स्कूल चेयरमैन जीए शर्मा व अन्य। फोटोः हरिभूमि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल सुढ़ैल में इनर व्हील क्लब व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गुलाबी पंख विंग के सहयोग से शनिवार को स्वास्थ्य शिक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रुप मे न्यू हैप्पी शिक्षण संस्थानों के चेयरमैन जीएस शर्मा ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता स्कूल की प्रधानाचार्या तोशल वाधवा ने की।

स्वास्थ्य शिक्षा संगोष्ठी में राजन अस्तपाल के डॉ. राजन शर्मा व अन्य चिकित्सका संस्थानों से डॉ. धीरेंद्र सोनी, डॉ. सुनीला सोनी, डॉ. एवीएस रवि, डॉ.आरण मसीह, डॉ. नम्रता, डॉ. स्वाति गोयल, डॉ. पारुल व सुश्री अनिका आदि ने स्कूल के बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया। इस दौरान सभी चिकित्सकों ने बच्चों से सीधे संवाद करके उनके स्वास्थ्य से संबंधित प्रश्न पूछे। मौके पर चिकित्सकों ने बच्चों को उनके स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विशेष रूप से मनोवैज्ञानिक सुश्री अनिका ने विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने बच्चों को तनाव, एकाग्रता, परीक्षा का दबाव आदि से निपटने के लिए सरल उपाय बताए। संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों को उनकी ब्लड टेस्ट रिपोर्ट्स भी वितरित की गईं और उनके परिणामों की जानकारी दी गई। मौके पर इनर व्हील क्लब यमुनानगर तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गुलाबी पंख विंग द्वारा बच्चों से पौधा रोपण किया। मुख्यातिथि व चेयरमैन जीएस शर्मा ने संगोष्ठी में पहुंचकर विद्यार्थियों को उनके स्वस्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करने के लिए सभी चिकित्सकों का आभार जताया। उन्होने चिकित्सकों को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं, स्कूल प्रबंधक विकास शर्मा ने सभी विशेषज्ञों का संगोष्ठी में भाग लेने के लिए धन्यवाद किया। उन्होने कहा कि इस प्रकार की स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां बच्चों के भविष्य निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। विद्यालय प्रधानाचार्या तोशल वाधवा ने इनर व्हील क्लब व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गुलाबी पंख क्लब का कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों की शिक्षा आज के समय में अत्यंत आवश्यक है। हम भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी अतिथियों, चिकित्सकों व बच्चों का धन्यवाद किया।

महिलाओं की सुरक्षा में हमेशा तत्पर रहती है पुलिसः एएसआई नीलम

■ गुरु नानक गर्ल्स स्कूल में सेफ सिटी कार्यक्रम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की सेफ सिटी कैम्पेन की टीम ने शहर के गुरु नानक गर्ल्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल में अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव, 112एप, दुर्गा शक्ति एप व ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा के बारे में जानकारी दी गई। मौके पर छात्राओं को ट्रैफिक नियमों व साइबर अपराध के बारे में जागरुक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में महिला थाना की एएसआई नीलम ने भाग लिया।

एएसआई नीलम ने छात्राओं को महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों तथा अपराधिक प्रवृत्ति के असामाजिक तत्वों के प्रति सजग रहने के लिए आहवान किया। उन्होंने छात्राओं को महिला विरुद्ध अपराध के प्रति सजग रहने तथा असामाजिक तत्वों द्वारा की गई किसी भी प्रकार की अभद्र हरकत का डटकर मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को 112 एप्प व दुर्गा शक्ति एप्प के महत्व बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से दोनों एप्प अपने पास रखने के लिए अनुरोध किया। एएसआई नीलम ने कहा कि जिला पुलिस महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जगह जगह पुलिस द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को उनके अधिकारों, महिला सुरक्षा तथा आत्मरक्षा की जानकारी दी जा रही है।

यमुनानगर। गुरु नानक गर्ल्स स्कूल में छात्राओं को महिला सुरक्षा व नशे के दुष्प्रभाव की जानकारी देती नीलमम।

जिले के सभी स्कूलों तथा कॉलेजों के आसपास सुरक्षा के भी व्यापक प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार स्कूल और कॉलेज के सुबह खुलने तथा छुट्टी होने के समय सुरक्षा की दृष्टि से पूरी सावधानी बरती जा रही है। इस दौरान वहां पर घूम रहे आवारा किस्म के लोगों के साथ सख्ती से निपटा जा रहा है। जिला पुलिस महिला सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। आमजन में विश्वास बढाना व अपराधियों पर कार्रवाई करना ही जिला पुलिस का मुख्य उद्देश्य है।

जेल बंदियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना जरूरीः बतरा

यमुनानगर। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरपर्सन एवं पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित बतरा ने जिला जेल का निरीक्षण किया। उन्होंने जेल प्रशासन को बंदियों को मूलभूत सुविधाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल में बंद महिला बंदियों की समस्याएं भी सुनी। निरीक्षण के दौरान सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया भी मौजूद रहे। डीसी पार्थ गुप्ता व एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने जगाधरी के विश्रामगृह में उनका स्वागत किया।

न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित बतरा ने कहा कि बंदियों को सभी मूलभूत सुविधाएं देना जेल प्रशासन की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान पुरुष एवं महिला बैरकों, रसोईघर, कैंटीन,

जिला जेल के निरीक्षण के दौरान पौधरोपण करते।

अस्पताल, पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, फैक्टरी, मुलाकात कक्ष व वीसी रूम का गहन निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जांच की। महिला बैरक में क्रैच का भी निरीक्षण किया और दो वर्षीय बच्ची की डाइट व देखभाल के इंतजामों का जायजा लिया।डॉ. पुनीत अरोड़ा, जेल अधीक्षक विशाल छिब्बर, उप अधीक्षक भूपेंद्र सिंह, डीएसपी राजेश कुमार, डॉ. मनोज कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

संवाद कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों का सीधा संवाद

यमुनानगर। भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मेयर मदन चौहान के नेतृत्व में पार्टी द्वारा शहर के गेबिंदपुरी मार्ग स्थित कार्यालय में शनिवार को चाय पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सामाजिक समरसता, संगठनात्मक संवाद और जनसेवा के मूल्यों पर

चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में गेल की पूर्व स्वतंत्र सदस्य एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री बंतो कटारिया ने भाग लिया। वहीं, विशिष्ठ अतिथि के रुप मे सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व भाजपा के प्रदेश आईटी प्रमुख आदित्य चावला मौजूद रहे। गेल की पूर्व स्वतंत्र निदेशक बंतो कटारिया ने कहा कि इस तरह के संवादमूलक कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों में सीधा संवाद करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और विकास के लिए समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिएं। इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेकर कार्यकर्ता, पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि एक दूसरे के समक्ष अपने विचार व्यक्त करके अपने मन के भावों को उज्जागर कर सकते हैं। सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के बीच ऐसा संवाद संगठन की ऊर्जा को बढ़ाता है।

रादौर- राझेड़ी गुमथला राव मार्ग क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर वाया राझेड़ी गुमथला मार्ग गांव कंडरौली मोड़ के नजदीक क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के लोग परेशान हैं। क्षतिग्रस्त मार्ग पर बने गड्ढों ने तालाब का रुप धारण कर लिया है। जिसमें आए दिन दुर्घटनाग्रस होने लगे है। क्षेत्र के लोगों ने मार्ग को तुरंत ठीक करवाए जाने की मांग की।

क्षेत्रवासी मांगा राम, विनोद कुमार, चरण सिंह, धर्मपाल, सुरेश व चमनलाल आदि ने बताया कि रादौर वाया राझेड़ी से गुमथला मार्ग गांव कंडरौली से गुमथला तक बूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिससे आए दिन हजारों की संख्या में हल्के व भारी वाहनों का आवागमन हो रहा है। आलम यह है कि क्षतिग्रस्त मार्ग पर बने गड्ढों तालाब बन चुके हैं। कंडरौली मोड से गुमथला तक रोड पूरी तरह से टूटकर बिखर चुका है। सड़क पर बड़े बड़े गहरे गड्ढे बनने से वाहनों को सड़क से गुजरने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त मार्ग में बने गड्ढों में वाहन फंसकर क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। यह सड़क मार्ग रादौर क्षेत्र को उत्तरप्रदेश व करनाल से जोड़ता है। इसके बावजूद इस सड़क मार्ग की अनदेखी हो रही है। लोग संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। मगर इसके बावजूद सड़क को नहीं ठीक किया जा रहा है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से मार्ग को तुरंत ठीक करवाए जाने की मांग की।

जल्द करवाया जाएगा दुरूस्त

मार्केट कमेटी रादौर के एसडीओ अंकित कुमार का कहना है कि क्षतिग्रस्त मार्ग को जल्द ठीक करवाया जाएगा। क्षेत्र के लोगों की समस्या का जल्द निदान कर दिया जाएगा।

जिला पुलिस ने चलाया विशेष चैंकिग अभियान

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा जिले में वाहन चालकों को यातायात के नियमों की पालना करने के लिए चैकिंग अभियान चलाया। चैकिंग अभियान के तहत यातायात के नियमों की उल्लंघना करने, वाहन पर ब्लैक फिल्म या काले पर्दे लगाने वाले तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पुलिस प्रवक्ता चमकौर सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने जिला यातायात पुलिस को को यातायात के नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने के आदेश दिए हैं। इसके तहत जिला पुलिस द्वारा अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम व रोड एक्सीडेंट में होने वाली मौत के आंकड़ों को कम करने के लिए लगातार जहां जागरूकता के अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं, यातायात के नियमों की पालना न करने वालों के चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया द्वारा यातायात थाना प्रभारी कुशल पाल राणा को शहर में जाम की स्थिति नहीं बनने देने और लोगों को रोड सेफ्टी को लेकर जागरूक करने,शराब पीकर वाहन चलाने वालों, बिना नंबर प्लेट, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों, बुल्ट पटाखा व बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, बिना नंबर प्लेट,बिना हेलमेट,बाइक पर तीन सवारियों को बैठाने वालों के चालान किए जाने के निर्देश दिए।

पार्किंग में खड़ा करें वाहन

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि चैकिंग अभियान के तहत जिला पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों, बिना नंबर प्लेट, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों,बुल्ट पटाखा व बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हेलमेट व कागजातों की जांच भी की जा रही है। इस जांच के कारण चोरी की गाड़ियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। उन्होंने आमजन को अपना वाहन पार्किंग या पार्किंग के लिए निश्चित किए गए स्थान पर ही खड़ा करने के लिए आहवान किया।

गजकेसरी योग में गुरु पूर्णिमा 10 को, सावन 11 से शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुरु पूजन आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि के दिन मनाई जाने वाली गुरू पूर्णिमा 10 जुलाई को गजकेसरी और इंद्र योग के शुभ योग में मनाई जाएगी। गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र ब्रह्मसरोवर कुरुक्षेत्र के संचालक पंडित डॉ रामराज कौशिक ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के दिन गजकेसरी योग और इंद्र योग के साथ गुरुवार होने से इसका महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। 9 जुलाई की रात 1:36 बजे पूर्णिमा तिथि आरंभ होगी, जो 10 जुलाई को रात 2:06 बजे समाप्त होगी। गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को है और इसके अगले दिन से श्रावण मास शुरू हो जाएगा। गुरु पूर्णिमा, जिसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है, आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है और यह दिन गुरुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। वहीं, श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है और इस महीने में भक्त भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन व्यासपीठ पूजा एवं अपने गुरु भगवान का पूजन-अर्चन करने से गुरु की विशेष कृपा प्राप्ति होगी। गुरू पूर्णिमा के दिन शहर और ग्रामीण क्षेत्र के आश्रमों में श्रद्धालु पहुंचेंगे और अपने गुरुजन से आशीर्वाद लेंगे, इसके अलावा शहर के मंदिरों में भी भगवान की प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। गुरू पूर्णिमा पर गोवर्धन परिक्रमा का भी विशेष महत्व है।

सावन माह की शुरूआत 11 से

जुलाई माह में देवशयनी एकादशी के साथ-साथ चातुर्मास की शुरूआत भी हो जाएगी। कई संत देवशयनी एकादशी तो कई पूर्णिमा से चातुर्मास की शुरूआत करेंगे। इस दौरान चार माह तक एक ही स्थान पर रहकर संत महात्मा साधना करेंगे। पवित्र सावन माह की शुरूआत 11 जुलाई से होगी। एक माह तक श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की आराधना करेंगे। इस दौरान प्रमुख शिवालयों में विभिन्न अनुष्ठान होंगे। सावन माह में अनेक संगठनों की ओर से कांवड़ यात्राएं निकाली जाएगी और एक माह तक हर शहर शिवमय नजर आएगा।

गुरु पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त

अभिजित मुहूर्त- दोपहर 11:59 बजे से 12:54 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त- शाम 07:21 बजे से 07:41 बजे तक
अमृत काल- राज 12:55 बजे से, जुलाई 11 रात 02:35 बजे तक
विजय मुहूर्त- दिन में 02:45 बजे से 03:40 बजे तक

इस पावन दिन पर पूजा-पाठ और व्रत का विशेष महत्व है। यदि आप शुभ समय में पूजन करना चाहते हैं तो शुभ मुहूर्तों का पालन कर सकते है।

केयू आईआईएचएस के बीए में ऑल इंडिया जनरल कैटेगरी की प्रथम मेरिट 100 पर पहुंची

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निदेर्शानुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीज द्वारा बीए प्रथम में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दाखिले की प्रथम मेरिट सूची शनिवार को जारी की गई है। यह जानकारी देते हुए आईआईएचएस की प्राचार्या प्रो. रीटा ने बताया कि बीए में ऑल इंडिया जनरल की मेरिट 106.2 से 100 तक, ऑल इंडिया ईडब्ल्यूएस की 99.8 से 99, हरियाणा जनरल की 99.8 से 92 तक, हरियाणा ईडब्ल्यूएस 95.2 से 90 तक, हरियाणा ओएससी 95 से 90.2 तक, हरियाणा डी-एससी की 95.2 से 88.4 तक, हरियाणा बीसीए 95.2 से 89.4 तक, हरियाणा बीसीबी 95 से 87.6 तक तथा डीए/पीडब्ल्यूडी/ पीएच/ ब्लाइंड/ईएसएम की 89 से 59.6 प्रतिशत पर मेरिट समाप्त हुई। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि केयू आईआईएचएस की वेबसाइट पर उपलब्ध मेरिट सूची के अनुसार बीए में दाखिले के लिए क्रम संख्या 1 से 200 तक के अभ्यर्थियों को आईआईएचएस संस्थान में 07 जुलाई को तथा क्रम संख्या 201 से आगे वाले अभ्यर्थियों को 08 जुलाई को कमरा नम्बर 26 में प्रातः 9 बजे अपने संबंधित मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। उन्होंने बताया कि मेरिट सूची की विस्तृत जानकारी केयू आईआईएचएस की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

न्यूज डायरी

छात्राओं को गुड टच और बैड टच की दी जानकारी

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के तत्वाधान में अमीन रोड स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सिटी टीम की हेड कांस्टेबलों ने छात्राओं को 'गुड टच' और 'बैड टच' की जानकारी दी और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने बताया कि पुलिस हमारी मित्र है और यदि किसी समस्या का सामना करना पड़े, खासकर जब परिवार से बात न कर सकें, तो महिला थाना या नजदीकी पुलिस चौकी से संपर्क करें। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या छात्राओं को स्कूल आते-जाते किसी तरह की परेशानी होती है और उन्हें यह भी बताया कि किसी भी समस्या की स्थिति में महिला हेल्पलाइन नंबर या 112 पर कॉल किया जा सकता है। उन्होंने ट्रिप मॉनिटरिंग के बारे में भी बताया और कहा कि जब हम कहीं ट्रिप पर जाते हैं तो 112 पर कॉल करके कह सकते हैं कि हमने ट्रिप मॉनिटरिंग करवानी है ।

प्रेरणा समिति ने किया पौधरोपण

कुरुक्षेत्र। पर्यावरण संरक्षण के लिए गठित प्रेरणा समिति हरियाणा द्वारा पिपली सड़क पुलिस लाइन के बाहर पीपल के पौधे रोपित किए। पिछले एक दशक से प्रेरणा समिति हरियाणा साइकिल की सवारी को प्रोत्साहन के साथ साथ पौधारोपण में अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्य कर रही है। प्रेरणा समिति हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में वर्षा ऋतु में निरंतर 10 पौधे रोपित किए गए। प्रेरणा समिति हरियाणा के सदस्यों ने मिलकर पौधे रोपित किए जिसमे डॉ. सत्यनारायण शर्मा, कर्म चंद, अक्षय वर्मा और नरेश सैनी ने विशेष रूप से सहभागिता की. डॉ. अशोक कुमार वर्मा, डॉ. सत्यनारायण शर्मा और कर्म चंद ने गड्ढे तैयार किए और नरेश सैनी और डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने उन्हें जल देकर सींचा. डॉ. सत्यनारायण शर्मा और कर्म चंद ने बताया कि वे नियमित रूप से उनकी देखभाल करते हैं और समय समय पर पानी देते हैं। समाजसेवी नरेश सैनी ने कहा कि प्रेरणा समिति हरियाणा द्वारा नियमित रूप से वर्षों से पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। प्रेरणा समिति हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि वर्षा ऋतु में नियमित रूप से पौधे रोपित किए जाएंगे।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में परमर्धन व युग छाए

कुरुक्षेत्र। जिला बैडमिंटन संघ द्वारा कुरुक्षेत्र जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता - 2025 का सफल आयोजन वायरविंग्स अकैडिमी के बैडमिंटन हॉल में किया गया। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर व सीनियर वर्ग में सभी खिलाड़िओं ने शानदार प्रदर्शन किया। संघ के महासचिव प्रोफेसर पी. सी. तिवारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन आयु वर्गों के 100 से अधिक खिलाड़िओं ने भाग लिया। सब-जूनियर अंडर- 13 बालक वर्ग के रोमांचक मुकाबलो में परमर्धन ने हेमन को और जीवांश ने ईशांत को हराया। सब- जूनियर अंडर- 15 बालक वर्ग के संघर्षपूर्ण मुकाबलों में युग ने ओजस को और शेरी ने निशांत को हराया। इस अवसर जिला बैडमिंटन संघ के कार्यकारणी सदस्य , टैक्निकल एडवाइजर विवेक शर्मा, सन्जीव चौटानी, बैडमिंटन प्रशिक्षक रोहित, बलजीत व बलजीत सांगवान, बलबीर कौशिक, अंकित गोयल, तरुण शर्मा, अमित कुमार सिंह, मौसूफ शेख, सहित भारी संख्या में खिलाड़ीगण, अभिभावकगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जुरासी कलां में जांचा 58 लोगों का स्वास्थ्य

पिहोवा। लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की ओर से चलाई गई मेडिकल वैन शुक्रवार को गांव जुरासी कलां में पहुंची। इन दोनों गांवों में डॉ. प्रमोद के नेतृत्व में टीम ने ग्रामीणों का चेकअप करने के बाद उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गई। 50 लोगों को दवा देने के साथ 8 मरीजों लैब टेस्ट किए गए। कुल 58 लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया गया। यशस्वी योजना से संबंधित कई आवेदन शिविर में पहुंचे। इस अवसर पर सरपंच जरनैल सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल जो बात कहते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं। सांसद चुने जाने के तुरंत बाद उन्होंने अपने संकल्प पत्र का वादा पूरा करते हुए निशुल्क मेडिकल वैन सेवा शुरू की। बेटियों के लिए 2100 रुपये की कन्यादान योजना, यशस्वी छात्रवृत्ति योजना, अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्किल केंद्र ऐसे बहुत से उदाहरण हैं। जिन्हें सांसद नवीन जिंदल ने एक वर्ष में ही पूरा कर दिया। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो संकल्प लेकर चल रहे हैं। उसमें सांसद नवीन जिंदल ने 2035 तक लक्ष्य प्राप्ति का जिम्मा उठाया है।

प्रदेश स्तरीय फल उत्सव: 150 से ज्यादा किस्मों के आम मेले में हुए शामिल

अंबाला के गांव छजुमाजरा निवासी किसान राजेंद्र बने लक्की ड्रा के विजेता: डा. राकेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उप-उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा के उप निदेशक डा. राकेश कुमार ने कहा कि 3 दिवसीय प्रदेश स्तरीय फल उत्सव मेले में बच्चों, महिलाओं, किसानों सहित हर वर्ग के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। रविवार 6 जुलाई को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा समापन समारोह में मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने कहा कि वहीं मेले में आने वाले किसानों को रजिस्ट्रेशन पर कूपन दिया जा रहा है। इनमें से रोजाना 3 किसानों का लक्की ड्रा के माध्यम से विजेता घोषित किया जा रहा है। आज के लक्की ड्रा में गांव छजुमाजरा जिला अंबाला निवासी राजेंद्र प्रथम, लाडवा के ओम प्रकाश दूसरे और चकरिया जाटान जिला अंबाला निवासी राम कुमार तीसरे स्थान पर रहे। उप निदेशक डा. राकेश कुमार ने कहा कि स्कूल बच्चों के बीच करवाई गए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में यूनिक्यू शिक्षा निकेतन स्कूल प्रथम, दून पब्लिक स्कूल दूसरे और मदर ट्रेसा स्कूल के बच्चे तीसरे स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्राफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रतिभागी का प्रमाण पत्र दिया गया। उन्होंने बताया कि क्विज प्रतियोगिता में नारायणगढ़ जिला अंबाला निवासी राजेंद्र, इसराना जिला पानीपत निवासी शक्ति सिंह, बुराण जिला जींद निवासी रोहित, इंद्री जिला करनाल निवासी नवीन, चिडाव जिला करनाल निवासी रजवंती, लाडवा निवासी आयुष, चरणीय निवासी विरेंद्र कुमार, नगला निवासी कुलदीप सिंह ने सही जवाब देकर पुरस्कार प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र। विजेता को सम्मानित करते अतिथिगण।

आम खाओ प्रतियोगिता में कविता प्रथम

उप निदेशक डा. राकेश कुमार ने कहा कि आम खाओ महिलाओं की प्रतियोगिता में कविता ने पहला, रजवंती, बबली और राखी ने दूसरा, उर्मिला ने तीसरा स्थान हासिल किया। आम खाओ बच्चों की प्रतियोगिता में हिंदू स्कूल के आयुष व प्रिंस ने पहला, राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मोहन खान ने दूसरा व पीएमश्री सीनियर सेकेंडरी सकूल के गौरव ने तीसरा स्थान हासिल किया। आम खाओ पुरुष प्रतियोगिता में सुभाष ने पहला, धर्मबीर व संदीप ने दूसरा और अजमेर व रणधीर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

आम की विदेशी किस्में भी रही शामिल

उप निदेशक डा. राकेश कुमार ने बताया कि फल मेले में 150 से ज्यादा किस्मों के आम शामिल हुए। इनमें हरियाणा, पंजाब व उत्तर प्रदेश की किस्में ज्यादा रही। इसके अलावा तीन किस्में विदेशों की भी शामिल रही। उन्होंने कहा कि केंद्र में लगातार अनुसंधान किया जा रहा है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने फल कम पैदा होने को दोबारा से बढ़ाने में सफलता हासिल की है। लगातार नई-नई तकनीकों को प्रयोग किया जा रहा है। ताकि किसानों की आमदन को बढ़ाया जा सके।

बेरोजगार युवा खुम्भी उत्पादन और मधुमक्खी पालन कर शुरू कर सकते हैं खुद का व्यवसाय: डॉ. रणबीर सिंह

लाडवा। बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने कहा कि बेरोजगार युवक बिना भूमि के भी खुम्भी उत्पादन और मधुमक्खी पालन करके खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। ऐसा करके वह दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। स्टार्टअप के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी का प्रावधान किया हुआ है। बागवानी विभाग के महानिदेशक डा. रणबीर सिंह शनिवार को उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलो पर जाकर उत्पादों की जानकारी ली। इसके अलावा प्रदर्शनी में लगाए गए हरियाणा, यूपी और पंजाब से आए आमों के बारे में जाना। केंद्र परिसर में महानिदेशक डॉक्टर रणवीर सिंह ने पौधा रोपण भी किया। इस दौरान केंद्र के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार भी साथ रहे। महानिदेशक डा. रणवीर सिंह ने कहा कि बागवानी में बागो के अलावा मसाले, फल, सब्जी, मधुमक्खी पालन जैसे अन्य कामों को भी शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र। मेले का अवलोकन करते बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. रणबीर सिंह।

टेक्नोलॉजी के बारे में स्टाल लगाए

उन्होंने कहा कि लगातार जमीन की ज्योत कम होती जा रही है, ऐसे में किसानों को विकल्प अपनाने की जरूरत है। इसके लिए नेट हाउस लगाकर खेती की जा सकती है। पानी की बचत के लिए सरकार के द्वारा जारी कार्यक्रम को अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मेले में कई प्रकार के टेक्नोलॉजी के बारे में स्टाल लगाए गए हैं, यहां पर लगे सभी स्टालों पर किसानों को जाकर जानकारी हासिल करनी चाहिए।

फल मेला में अपनी संस्कृति, परंपरा को दर्शाया : कैलाश सैनी

लाडवा। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि फल मेले का आयोजन एक रोमांचक और किसानों को आकर्षक अनुभव दे रहा है। मेला में उत्पादों का प्रदर्शन करने के साथ साथ अपनी संस्कृति, परंपरा को दशार्या गया हैं। इससे किसान को अपनी फसलों को तकनीक के साथ पैदावार लेने की जानकारी मिलती है, वहीं आमजन को अपने भोजन में शामिल किए जाने वाली किस्मों की जानकारी मिलती है। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी शनिवार को उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव में पहुंचे थे। उन्होंने प्रदर्शनी का भ्रमण कर फलों की सभी किस्मों की जानकारी हासिल की। इस दौरान फल केंद्र लाडवा के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राकेश कुमार, डॉ. धर्मपाल, डॉ. एसपीएस सोलंकी साथ रहे। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के आमों और अन्य फलों शामिल किया गया। इसमें किसान अपनी उपज का प्रदर्शन करने के लिए शामिल हुए। मेले में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए हैं, इनमें कई व्यंजनों को शामिल किया गया।

लाडवा। फल मेले लगे स्टॉलों का अवलोकन करते मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी।

बीपीएल कार्डधारकों को मिलने वाले सरसों तेल के बढ़ाए दाम वापस ले सरकार : जखवाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र जननायक जनता पार्टी के जिला कुरुक्षेत्र के जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार जन विरोधी फैसले ले रही है, अभी पिछले महीने बिजली के दामों में भारी बढ़ोतरी की थी और अब सरकार ने गरीब लोगों को 40 रूपए में मिलने वाली दो लीटर सरसों तेल की बोतल का दाम बढ़ा कर 100 रूपए कर दिया है। कुलदीप जखवाला ने कहा कि सरकार के लगातार जन विरोधी फैसलों से समाज का हर वर्ग प्रताड़ति हो रहा है। लोगों ने बीजेपी की सरकार हरियाणा में उनके झूठे वादों में फंस कर बनवाई थी लेकिन सरकार समाज के कमजोर वर्गों को राहत देने की बजाय परेशानियां पैदा कर रही है। उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में हर महीने तकरीबन 47 लाख परिवारों को प्रति कार्डधारक पांच किलो गेहूं, एक किलो चीनी और दो लीटर सरसों का तेल सस्ते दामों पर सरकार की तरफ से दिया जाता है। कुलदीप जखवाला ने कहा कि बीजेपी सरकार की गलत नीतियों की वजह से महंगाई लगातार बढ़ रही है जिसकी सबसे बड़ी मार मध्यमवर्गीय परिवारों, बीपीएल कार्डधारकों, छोटे व्यापारियों, कर्मचारियों और किसानों को पड़ रही है। जजपा जिला प्रवक्ता शेखर डोगरा ने कहा कि बीजेपी के 11 साल के शासन में महंगाई लगातार बढ़ रही है।

पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कुरुक्षेत्र। लिटिल मिलेनियम स्कूल सेक्टर 3 में वन महोत्सव सप्ताह को बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने पेंटिंग, नेचर वॉक, ट्री क्राफ्ट, और प्रकृति की शपथ जैसी विभिन्न गतिविधियां कीं। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों को देवीलाल पार्क भी ले जाया गया, जहां उन्होंने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर एम.डी. परमिंदर सिंह बाठ, डायरेक्टर चेष्ठा सलूजा एवं प्रिंसिपल सुनीता अरोड़ा भी उपस्थित रहे। एम.डी. परमिंदर सिंह बाठ ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

श्रीजयराम स्कूल में किया पौधरोपण

- श्रीजयराम पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव की हुई शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

देशभर में संचालित श्रीजयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष एवं श्री जयराम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से श्रीमती केसरी देवी लोहिया जयराम पब्लिक स्कूल एवं श्रीजयराम सैनिक स्कूल में वन महोत्सव के उपलक्ष्य में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आठवीं कक्षा की छात्रा हिमांशी ने वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्यों को वृक्षों के प्रति जागरूक करना वन महोत्सव का उद्देश्य है। वन महोत्सव के अंतर्गत ही एक पौधा मां के नाम अभियान भी चलाया जा रहा है। इस मौके पर स्कूल प्रिंसिपल अंजू अग्रवाल, अध्यापिकाओं और विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में अमरताल और रेबेका फूलों वाले पौधों को लगाया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए विद्यार्थियों ने पेड़ बनाकर पत्तियां लगाओ स्लोगन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम में प्रोमिला, रंजना शर्मा, नेहा गौतम, नीलम, काजल, किरण गौड़, ममता शर्मा आदि अध्यापिकाएं भी मौजूद रहीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

कुरुक्षेत्र। पौधरोपण करते हुए अध्यापिकाएं एवं विद्यार्थी।

कार्यक्रम गीता निकेतन आवासीय स्कूल में विद्यालय स्तरीय गणित-विज्ञान मेले का आयोजन

छात्र प्रतिभाओं ने बिखेरा ज्ञान एवं नवाचार का प्रकाश

- विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन और अवार्चीन उपलब्धियों से करवाया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भारत आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व पटल पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवा रहा है, उसके इस विकास की नींव देश के जिज्ञासु और नवोन्मेषी छात्रों में ही निहित है। इन्हीं भावनाओं को साकार रूप देने हेतु गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में विद्या भारती के तत्वावधान में विद्यालय स्तरीय गणित-विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन व अवार्चीन उपलब्धियों से अवगत करवाते हुए उनमें क्रिया आधारित अध्ययन,अन्वेषण एवं संश्लेषण प्रवृति का विकास कर नवाचार को प्रोत्साहित करना है। इस मेले में छात्रों ने गणित, विज्ञान प्रदर्श व प्रयोग में प्रतिभागिता कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रों की इन प्रस्तुतियों ने न केवल वैज्ञानिक सोच को उजागर किया बल्कि छात्रों की कल्पनाशीलता और तकनीकी समझ का भी परिचय दिया। विद्यालय स्तर पर आयोजित इस मेले में कक्षा छठी से बारहवीं तक के बाल, किशोर, तरुण वर्ग से कुल 300 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र ही संकुल स्तर पर प्रतिभागिता सकेंगे। कार्यक्रम में छात्रों की गतिविधियों का मूल्यांकन करने हेतु वैशाली, गुलशन छाबड़ा, भारत भूषण जिंदल, प्रवीण सैनी, मधु, समिधा निर्णायक की भूमिका में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य नारायण सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के समस्त आविष्कार मानवीय कल्पना और जिज्ञासा की ही देन हैं। अतः छात्रों को नवीन चिंतन, सृजन और प्रयोग के पथ पर अग्रसर होना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ घनश्याम शर्मा व प्रबंधक पवन गुप्ता ने भी छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

कुरुक्षेत्र। गणित-विज्ञान मेले का अवलोकन करते अतिथिगण।

इन विषयों पर किया प्रदर्शन

प्रदर्शनी में छात्रों ने विविध विषयों पर आधारित परियोजनाओं और प्रदर्शों का प्रदर्शन किया जिनमें सौर ऊर्जा पर आधारित प्रदर्श, विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव पर आधारित प्रदर्श, भविष्य ईंधन पर आधारित प्रदर्श, नवचरित प्रदर्श, संवेदकों पर आधारित प्रदर्श समबहुभुजों के गुणधर्म पर आधारित प्रदर्श, त्रिविमीय और शंकु परिच्छेद पर आधारित प्रदर्श, त्रिकोणमति आधारित प्रदर्श, सर्वसमिका आधारित प्रदर्श आदि विषय प्रमुख थे।

अमीन में 70 जरुरतमंद परिवारों को सामान का किया वितरण

- आज 200 परिवारों को वितरित किया जाएगा सामान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सतयुग दर्शन ट्रस्ट फरीदाबाद जरूरतमंद लोगों का सहारा बनता जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा शुरू किए गए एक अभियान के तहत रोजाना देश विदेश में हजारों लोगों की मदद की जा रही है। इसी कड़ी में ट्रस्ट 6 जुलाई रविवार को शीला नगर स्थित सतयुग डिस्पेंसरी पर 200 जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करेंगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 7 बजे जरुरतमंद लोगों को कपड़े, राशन का सामान व आर्थिक सहायता दी जाएगी। अभियान के तहत ट्रस्ट के सदस्यों ने शनिवार को महावीर सत्संग सभा अमीन में 70 जरुरतमंद परिवारों को सामान वितरित किया। अभियान के अन्तर्गत ट्रस्ट ने अपने सभी सदस्यों सहित समाज के समृद्ध लोगों से अपील की है कि व अपनी एक महीने की आय इस नेक कार्य में समर्पित करें। इस आय का उपयोग जुलाई माह के दौरान जरुरतमंदों को ढूंढ-ढूंढ कर भोजन, वस्त्र और सहायता राशि प्रदान करने में किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र। सामान वितरित करते ट्रस्ट के सदस्य।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज घी की पेटी चोरी करने के मामले में पुलिस चौकी नंबर 1 ने दो शातिर चोर गुरविंद्र सिंह व हरविंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पांच चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है। आरोपियों से चोरीशुदा दो मोटरसाईकिल, दो एक्टिवा, दो गैस सिलेंडर व घी की पेटी बरामद की गई है। आरोपियों ने यह सभी वारदातें अंबाला शहर क्षेत्र में की हैं। पुरानी अनाज मंडी के पवन कुमार ने 15 जून 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 जून 2025 को मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों ने उसकी दुकान से घी की पेटी चोरी की है।

छात्रा जाह्नवी ने जेईई एडवांस में प्राप्त की उपलब्धि

कुरुक्षेत्र। विद्यालय की मेधावी छात्रा जाह्नवी ने अपनी कठिन मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से जेईई 2024 में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। जेईई मेन्स 2024 में जाह्नवी ने 35497 वां रैंक प्राप्त किया। इसके पश्चात जेईई एडवांस 2024 में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6269 वां रैंक प्राप्त किया। यह सफलता न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य छात्राओं के लिए भी एक प्रेरणा है।

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लगया स्वास्थ्य कैंप

पिहोवा। उपमंडल पिहोवा के गांव नैंसी, टबरा व जलबेहड़ा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठस्का मीरांजी की स्वास्थ्य टीम के द्वारा बाढ ग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया गया और स्वास्थ्य कैंप का आयोजन कर बाढ ग्रस्त क्षेत्र में लोगों के स्वास्थ्य जांच की गई। स्थानीय लोगों की जांच उपरांत जरूरी दवाइयों का वितरण किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठसका मीराजी के डेंटल सर्जन डा. अरुण गोत्रा ने गांव के लोगों को बताया कि बाढ़ के कारण पानी का जमाव होता है, जिससे मच्छरों का प्रजनन होता हैं।

मानसिक विकास के लिए खेलकूद आवश्यक

पिहोवा। राज्य खेल स्तरीय महाकुंभ कुरुक्षेत्र में आयोजित कराए गए खेलो में सारसा गांव सात बच्चो का चयन हुआ, यह जानकारी देते हुए हैंडबॉल खेल नर्सरी सारसा के संचालक कोच राजेन्द्र फौजी सारसा व कोच संजय फौजी खिजारपुरा ने बताया। इस अवसर पर समरोह के मुख्य अतिथि ऑस्ट्रेलिया से आए हुए समाजसेवी रवि मलिक ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। पढ़ाई के साथ बच्चों के लिए खेलकूद भी जरूरी है।

लोगों की आशाओं पर खरा नहीं उतर रही भाजपा सरकार

कुरुक्षेत्र। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय संयोजक रीना वाल्मीकि ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा लोगों की आशाओं पर खरा नहीं उतरी है। भाजपा की नीतियों से हर वर्ग का जीना बेहाल हो गया है। बिजली के दामों में बढोतरी करके उपभोक्ताओं को झटका दिया, अब सरकार ने बीपीएल कार्ड धारकों को दिया झटका।

चित्रा बोली आरोपी अफसरों के खिलाफ केस दर्ज करने से नहीं चलेगा काम

बैंक स्कवेयर योजना में घोटाला उजागर होने के कारण पूरी व्यवस्था कटघरे में

अंबाला छावनी का शायद ही कोई प्रोजेक्ट ऐसा हो जिसमें भ्रष्टाचार न हुआ हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

बैंक स्कवेयर योजना में घोटाला उजागर होने के बाद अब युवा नेत्री चित्रा सरवारा ने पूरी व्यवस्था पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस बात पर कोई संदेह नहीं बचा कि अंबाला छावनी का शायद ही कोई प्रोजेक्ट ऐसा हो जिसमें भ्रष्टाचार न हुआ हो। जब बैंक स्क्वायर प्रोजेक्ट में कथित घोटाले की जांच घोषित हुई है ये तथ्य पब्लिक में खुलने के बाद की टेंडर प्रक्रिया में 87.12 करोड़ की सबसे किफायती बोली को अयोग्य घोषित कर 106.79 करोड़ की महंगी निविदा को सौंपा गया।

उन्होंने कहा कि यह कोई हैरानी की बात नहीं रही कि अंबाला के एक और प्रोजेक्ट में घोटाले के आरोप और तथ्य उजागर हुए हैं। ये सिर्फ़ सवाल नहीं हैं ये अब दस्तावेज़ हैं। यह तो बस शुरुआत है। आगे लोगों की मेहरबानियों की परतें खुलती जाएंगी। उन्होंने बताया कि हर बीमारी के कुछ 'कॉमन सि लक्षण होते हैं। इनसे उसकी पहचान हो सकती है। तभी सही इलाज हो सकता है। अंबाला छावनी के भ्रष्टचार के भी कुछ साफ़-साफ़ लक्षण हैं। जैसे प्रोजेक्ट द्वारा समय सीमा को 2-3 गुणा से लांघ जाना Iनिर्धारित बजट को 2-3 गुणा से लांघ जाना I बजट को लांघने के बाद भी प्रोजेक्ट अधूरा होना।

अगर इनको देखें तो शायद एक भी ऐसा प्रोजेक्ट नहीं मिलेगा जहां ये लक्षण देखने को नहीं हों। निकासी-सीवरेज प्रोजेक्ट से सड़कों तक, नागरिक अस्पताल से नाइट मार्केट तक, शिक्षा प्रणाली से जुड़े प्रोजेक्ट से लेकर स्टेडियम तक, अग्निशमन भवन से लेकर 1857 की क्रांति के अधूरे स्मारक तक। हर लटके प्रोजेक्ट की फाइल पर पर सम्भावित भ्रष्टाचार की धूल जमी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को हमने कई बार निवेदन किया कि इन सब प्रोजेक्ट्स की विजिलेंस जांच होनी चाहिए। अगर सरकार की मंशा वास्तव में भ्रष्टाचार मिटाने की है तो यह उनके लिए अग्निपरीक्षा है। जिसने खाया है उसे सामने लाया जाए। जेल की सलाखों के पीछे धकेला जाए। जनता को जवाब चाहिए। अब जवाबदेही से भागना बंद होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बैंक स्क्वायर प्रोजेक्ट के टेंडर के लिए चार कंपनियों ने आवेदन किया था। 87.12 करोड़ की सबसे किफायती बोली देने वाली मैसर्ज गोरा लाल बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स को तकनीकी बहाने से बाहर कर 106.79 करोड़ की कंपनी को काम सौंप दिया गया। मामला जब हाईकोर्ट और मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा तो दोबारा जांच कर सही कंपनी को टेंडर दिया गया।

इन पर जांच की शुरू

एंटी करप्शन ब्यूरो ने इस मामले में रिटायर्ड एसडीएम सुभाष सिहाग, एसई रमेश मंढान, ईओ विनोद नेहरा, एक्सईएन पंकज सैनी, एमई हरीश मनेश्वर भारद्वाज, जेई हरीश शर्मा, कपिल कंबोज सहित नौ अधिकारियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चित्रा का कहना है कि सिर्फ यह कार्रवाई ही काफी नहीं है। जवाबदेही उस राजनीतिक व्यवस्था की भी होनी चाहिए जो इन अफसरों को संरक्षण देती आई है।

अंबाला। आश्रम का मुआयना करते सीजेएम।

सीजेएम ने अपना घर व बाल आश्रम का किया निरीक्षण

- सुविधाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवीण ने यहां चल रहे अपना घर और बाल आश्रम का औचक निरिक्षण किया। न्यायधीश ने आश्रम में रह रहे वृद्ध लोगों का हाल जाना तथा उन्हें यहां पर दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्हें यहां पर किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं है उस बारे भी जाना। सीजेएम प्रवीण ने इस मौके पर बाल आश्रम में बच्चों की देख रेख और उनको मिलने बाली सुविधाओं जैसे कि कमरों की साफ सफाई, बच्चों को दीं जानें वाली शिक्षा, बच्चों को दिया जाने बाले भोजन और रसोई घर का भी निरिक्षण किया। आश्रम में रह रहे बच्चों द्वारा हाथ से बनायी गयी चीजों को भी देखा। बच्चों की कलाकारी की भी प्रशंसा की। उन्होंने इस मौके पर बच्चों के स्वास्थ्य संबधी जानकारी भी ली और कहा कि यदि किसी भी बच्चे को अगर कोई समस्या होती है तो उसे तुरंत नजदीकी हस्पताल में इलाज करवाना है। सीजेएम ने आश्रम के सभी रजिस्टरों को भी चेक किया। वृद्ध आश्रम में कुल 9 वृद्ध पुरुष तथा 3 महिलाएं तथा बाल आश्रम में कुल 24 बच्चे तथा दोनों आश्रमों में स्टाफ आदि मौजूद थे।

चार साल से अधूरे पड़े 100 बैड के अस्पताल का जल्द शुरू होगा काम, सीएम ने दी मंजूरी

अंबाला। अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल के साथ अधूरे पड़े 100 बैड के अस्पताल का निर्माण जल्द शुरु हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल से संबंधित फाइल को स्वीकृति प्रदान कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने एजेंसी को कार्य आदेश जारी कर दिए हैं ताकि जल्द काम शुरु हो सके। अधूरे निर्माण को पूरा करने के लिए 17 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह निर्माण कार्य जिरकपुर की एडी कंपनी को दिया गया है। नए अस्पताल में मरीजों के लिए कमरे, हॉल व तीमारदारों के ठहरने, रहने व खाने-पीने की सुविधा भी मिलेगी। बता दें कि 100 बैड के अस्पताल का काम चार साल से अधूरा पड़ा हुआ था। पहले निर्माण एजेंसी ने कोर्ट में मामला दायर कर दिया। इसके बाद यह मामला आर्बिट्रेशन में चला गया और यहां फैसला लोक निर्माण विभाग के हक में आया। इसके बाद विभाग ने तकनीकी कर्मचारियों की मदद से लंबित कार्य का लेखा-जोखा तैयार किया। इसके आधार पर ही अस्पताल को पूरा करने की अनुमानित लागत तैयार की गई।

अल्ट्रासाउंड मशीन हुई ठीक, जांच शुरू होने से मरीजों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन अब दुरुस्त हो चुकी है। शनिवार को रेडियोलॉजिस्ट द्वारा 9 मरीजों का अल्ट्रासाउंड किया गया। एसएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि मशीन की तकनीकी खराबी को ठीक करवा लिया गया है। अब यहां पर मरीजों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी मिलेगी। डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यह प्रयास है कि जनता को अधिक से अधिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नागरिक अस्पताल को 50 से बढ़ाकर 100 बैड का करवाया गया है। इसका नया भवन लगभग बनकर तैयार हो चुका है। जल्द ही मरीजों को और बेहतर सुविधाएं मिलनी शुरू होंगी। एसएमओ ने लोगों से अपील की कि वे सरकारी अस्पताल की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

नारायणगढ़। रेडियोलॉजिस्ट मरीज की जांच करता हुआ।

1100 जरुरतमंद महिलाओं को नकद राशि व सामान देकर की मदद

- सतयुग दर्शन ट्रस्ट व महाबीर सत्संग सभा की ओर से आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

सतयुग दर्शन ट्रस्ट फरीदाबाद और महाबीर सत्संग सभा द्वारा अंबाला शहर में शनिवार को जरूरतमंद महिलाओं की मदद के लिए विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत संस्था से जुड़े सदस्यों ने अपने एक माह का वेतन इस मदद के कार्य में दिया है। इसके फलस्वरूप 1100 से अधिक महिलाओं को संस्था द्वारा नकद राशि,कपड़े और खाना दिया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर संस्था के पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री असीम गोयल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान अंबाला नगर निगम की सीनियर डिप्टी मेयर मीना ढींगरा व भाजपा के कई निगम सदस्य भी इस सेवा के कार्यक्रम में मौजूद रहे। मंच से अपने संबोधन में असीम गोयल ने संस्था द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन की असल पूंजी सेवा ही है। मीडिया से बात करते हुए गोयल ने कहा कि सेवा का यह कार्य निश्चित रूप से अद्भुत कार्य है। बता दें कि पूर्व मंत्री असीम गोयल ने भी अपनी एक माह की पेंशन इस सेवा के कार्य में देने की घोषणा मौके पर की। संस्था के पदाधिकारी सुंदर ढींगरा ने बताया कि सतयुग दर्शन ट्रस्ट के निर्देशानुसार इस सेवा के कार्य का आयोजन किया गया है जिसमें 1100 से अधिक महिलाओं की मदद की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह सेवा का कार्य निरन्तर जारी रहेगा।

अंबाला। महिलाओं को नकद राशि व जरुरी सामान देकर मदद करते पूर्व मंत्री व मौजूद महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सीनियर डिप्टी मेयर मीना ढींगरा, निगम सदस्य मोनिका मल,रूबी सौदा, सरदूल सिंह,फकीर चंद भाजपा नेत्री बीनू गर्ग, गुरविंदर मानकपुर,अमन सूद व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

चार साल से नहीं हुए अग्रवाल सभा के चुनाव निरंतर प्रशासक लगाए जाने की हो रही मांग

- चुनाव न होने से सभा के संसाधनों की नहीं हो रही सही ढंग से देखभाल, विज से भी सभा सदस्य कर चुके हैं मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की प्रतिष्ठित अग्रवाल सभा में पिछले चार वर्ष से लंबित चुनाव का विवाद लगातार बढ़ रहा है। इस मामले में सभा के सदस्य मांग कर रहे हैं कि सभा में चुनाव न होने से पारदर्शिता व संसाधनों की देखरेख ठीक से नहीं हो पा रही है।

इसी लेकर उन्होंने प्रशासक लगाने की मांग की थी। इस पर जिला सोसायटी रजिस्ट्रार ने उपायुक्त को पत्र भी लिख दिया था। तब एसडीएम छावनी को सभा का प्रशासक लगाए जाने की संभावना थी। अभी तक इस मामले में निर्णय लंबित है।

जिसके कारण सभा के सदस्यों में रोष भी बढ़ रहा है। इस मामले में अचानक से सोसायटी के स्टेट रजिस्ट्रार ने जिला कार्यालय से पूरे केस की फाइल अपने पास मंगवा ली है। इस केस में किस प्रकार की देरी हो रही है इस पर अवलोकन किया जा रहा है। अग्रवाल सभा कैंट की सबसे पुरानी सभाओं में से एक है। इस संस्था में 1454 सदस्य हैं। अग्रवाल सभा में साढ़े चाल साल से एडहॉक कमेटी नए पदाधिकारियों के चुनाव नहीं करा रही। सभा के सदस्य अनिल अग्रवाल ने बताया कि जिला सोसायटी रजिस्ट्रार से प्रशासक लगाने की मांग की गई थी। प्रशासक लगाने में देरी की जा रही है। साढ़े चार साल पहले संस्था में कई पद खाली थे। इसके लिए सोसायटी रजिस्ट्रार विभाग ने एडहॉक कमेटी का गठन किया गया था। इस एडहॉक कमेटी का कन्वीनर सुभाष गोयल को बनाया गया था। मगर साढ़े चार सात बीतने पर ही कमेटी संस्था के चुनाव नहीं करा सकी है। अनिल अग्रवाल ने बताया कि साढ़े चार साल से विभिन्न कारणों से चुनाव की फाइल सिरे ही नहीं चढ़ पा रही है।

लूट की चार वारदातों को सुलझाया गया

अंबाला। थाना सैक्टर-9 के मामले में वांछित आरोपी नवनीत सिंह उर्फ नवीं में दर्ज लूट के मामले में वांछित आरोपी भूपेंद्र उर्फ लबीश व थाना महेशनगर में दर्ज लूट के एक अन्य मामले में वांछित आरोपी लखन उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से तीन मोटरसाइकिल, दो अंगूठी, कड़ा, दो सोना चेन, दो चाकू बरामद किए गए हैं। आरोपियों द्वारा 11 मई 2025 को अंबाला शहर क्षेत्र से एक बुजुर्ग व्यक्ति से चाकू की नोक पर कड़ा छीना गया था। 23 जून 2025 को थाना पंजोखरा में चेन और अंगूठी छीनने की वारदात को अंजाम दिया गया था। 23 जून 2025 को ही थाना साहा क्षेत्र से चाकू की नोक पर दो अंगूठियां छीनने का मामला दर्ज किया गया था।

मेयर शैलजा सचदेवा को मिलेगा ऑफिस

- नगर निगम में चल रहा है काम
- 11 को हवन यज्ञ के बाद ऑफिस में करेंगी प्रवेश, सात महीने का बचा है कार्यकाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर की मेयर शैलजा सचदेवा को नगर निगम में नया कार्यालय मिलने जा रहा है। वह करीब चार महीने के बाद 11 जुलाई को अपने नए कार्यालय में बैठेंगी। हवन के बाद कार्यालय में प्रवेश किया जाएगा।

- मेयर कार्यालय का कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरा हो चुका

इस कार्यालय में बैठकर मेयर जनता की समस्याएं सुनेंगी। मेयर कार्यालय का कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

बता दें कि नगर निगम की ओर से कार्यालय को दोबारा तैयार करने के लिए 4 लाख 60 हजार का टेंडर लगाया गया था। बता दें कि निगम की ओर से मेयर का कार्यालय सीनियर डिप्टी मेयर के कार्यालय में ही बना दिया गया था। इसके बाद यह मुद्दा काफी चर्चा में रहा।

इसके बाद निगम की ओर से सीनियर डिप्टी मेयर का नया कार्यालय बनाया गया। मेयर कार्यालय को नए सिरे से तैयार करने के लिए नया टेंडर लगाया गया था। पहले टेंडर लगाने में कई दिन बीते थे।

टेंडर होने के बाद भी कार्य लेट शुरू हुआ था। अब यह कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

कार्यालय में जो कार्य होना है, वह भी 11 जुलाई से पहले पूरा होने की संभावना है। दो महीने पहले मेयर शैलजा सचदेवा ने कहा था कि जहां तक ऑफिस का सवाल है तो ऑफिस हो या न हो उससे हमारे काम पर कोई फर्क नहीं आ रहा। उन्होंने अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑफिस तब ही शुरू होगा, जब यहां के अधिकारी उचित समझेंगे। उन्होंने इसको दलगत राजनीति भी कहा था। शैलजा सचदेवा भाजपा की पहली मेयर है। इससे पहले हरियाणा जनचेतना पार्टी की शक्ति रानी शर्मा यहां से मेयर थी।

अलॉटमेंट के बावजूद अगर फीस नहीं भरी तो सीट कर दी जाएगी रद्द

- कॉलेजों के साथ राजकीय आईटीआई में शुरू हो चुकी है काउंसलिंग, दस्तावेजों की भी चल रही है जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जिले के कॉलेजों के साथ ही राजकीय आईटीआई में काउंसलिंग शुरू हो गई। पहली सूची कम अलॉटमेंट में आए आवेदकों के दस्तावेज की जांच की जा रही है। दस्तावेज की जांच के बाद सीट अलॉट होगी। इसके बाद आवेदक फीस भरकर दाखिला ले सकेगा।

यह प्रक्रिया 8 जुलाई तक चलेगी। संस्थान में 1188 सीट में से 619 सीट अलॉट हो चुकी हैं। फीस जमा करवाने पर ही आवेदक की सीट भरी मानी जाएगी। कॉलेजों में भी दूसरी सूची जारी हो चुकी है। कॉलेजों में दूसरी अंतिम सूची के बाद सीट खाली होने पर 9 जुलाई को व्यक्तिगत काउंसलिंग के तहत सीट को भरा जाएगा।

इसके बाद 10 जुलाई को आवेदन के लिए पोर्टल दोबारा खोला जाएगा। 11 जुलाई से 17 जुलाई तक 100 रुपये की लेट फीस के साथ मेरिट में आने वाले आवेदक दाखिला करवा सकेंगे। अगर सीट मिलने के बाद भी आवेदक फीस जमा नहीं करवाता तो उसकी सीट रद्द होगी। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान व कल्पना चावला राजकीय महिला बहुतकनीकी संस्थान में 3 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। इसके बाद 5 जुलाई तक फार्म को ऑनलाइन सत्यापित किए गए। आवेदक के ऑनलाइन दिए गए दस्तावेज को जांचा जा रहा है। इसके बाद 8 जुलाई को सूची यानि रैंक जारी होगा। 10 से 15 जुलाई तक पहली ऑनलाइन काउंसलिंग होगी। जिसमें आवेदक ऑनलाइन अपने कोर्स का विकल्प चुन सकेंगे। रैंक के आधार पर आवेदक को दाखिला दिया जाएगा। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान शहर में तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स में 1010 आवेदन फार्म और डिप्लोमा इंजीनियरिंग लेटरल एंट्री में 203 आवेदन सत्यापित होंगे।

डीसी ने व्यवस्थाओं की विस्तार से ली जानकारी

उपमंडल कार्यालय का डीसी ने किया निरीक्षण

- कहा बरसाती सीजन में जलभराव होने पर समस्या का तुरंत होना चाहिए समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने शनिवार को उपमंडल कार्यालय का निरीक्षण किया। इससे पहले उपायुक्त का यहां पहुंचने पर एसडीएम शाश्वत सांगवान व डीएसपी सुरेश कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने निरीक्षण के दौरान यहां की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने यहां पर लोगों के बैठने की व्यवस्था के साथ दूसरे पहलुओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने ग्राउंड फ्लोर कांफ्रेंस हाल, सब ट्रेजरी के साथ-साथ दूसरे कार्यालयों का भी मुआयना किया। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन में अधिकारी यह ध्यान रखें कि कहीं पर भी यदि जलभराव होता है तो उसकी सूचना तुरंत एसडीएम व जिला प्रशासन को दें। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी व्यक्ति यहां पर अपने कार्यों के लिए आता है प्राथमिकता एवं पारदर्शी तरीके से उसका काम किया जाए। उन्होंने उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों की भी जानकारी ली। उन्होंने डीएसपी सुरेश कुमार से भी कानून व्यवस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान यह भी कहा कि मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां ठीक होनी चाहिए। यदि कहीं पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो तो संबंधित विभाग बेहतर समन्वय बनाते हुए कार्य करे ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो। इस मौके पर नायब तहसीलदार गीता राम समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बराड़ा। एसडीएम ऑफिस का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त।

विशेषः विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

{ कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह }

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

{ बदलाव / नरेंद्र शर्मा }

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्टः एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्दः अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तारी से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतताः एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

{ जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय }

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएंः सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोशः प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाशः चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारणः चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियांः वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

{ गजल
वसीम अहमद }

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

{ व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय }

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिकाः** अलका सोनी, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** मेधा बुक्स, दिल्ली

प्राचीन-अनूठी बादामी गुफाएं

कर्नाटक राज्य के उत्तरी भाग के बागलकोट जिले में ऐतिहासिक बादामी नगर में स्थित हैं बादामी गुफाएं और मंदिर। इन गुफाओं का न केवल पौराणिक बल्कि ऐतिहासिक महत्व भी है। इन गुफाओं में मौजूद प्रतिमाएं चालुक्य वंश की शिल्पकला का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जो इतिहासप्रेमी पर्यटकों को मोहित कर लेती हैं।

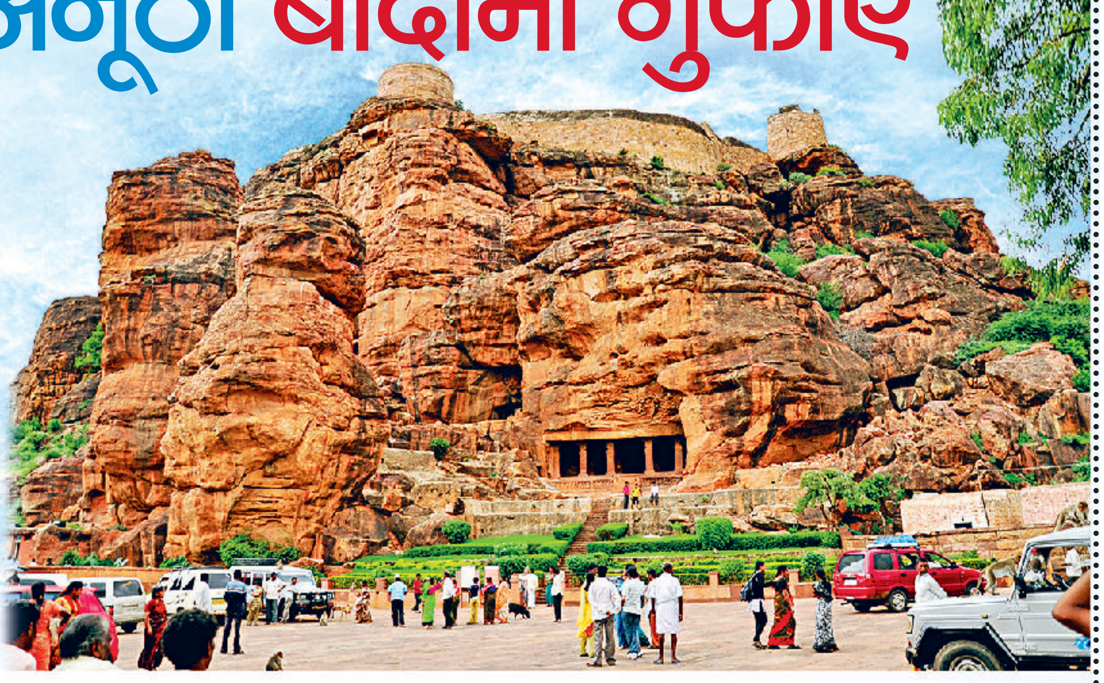

दर्शनीय स्थल / जगत नारायण भारद्वाज

अगर आप इतिहासप्रेमी पर्यटक हैं तो आपको एक बार कर्नाटक के बादामी नगर में स्थित प्राचीन गुफाओं और मंदिरों को जरूर देखना चाहिए। इन गुफा-मंदिरों में मौजूद प्रतिमाएं, छठी-सातवीं सदी में यहां शासन करने वाले चालुक्य शासकों के दौर की उत्कृष्ट शिल्प कला का प्रमाण प्रस्तुत करती हैं।

पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार कर्नाटक का बादामी नगर, महाभारतकालीन असुर राजा वातापी की राजधानी हुआ करती थी। पौराणिक काल के विंध्याचल पर्वत के दक्षिण में स्थित इस दंडकवन में अगस्त्य ऋषि और लोपामुद्रा वास किया करते थे। यहीं पर वातापी और इलविल दो भाई अपनी संजीवनी विद्या का दुरुपयोग करके ऋषि-मुनियों को तंग करते और कई बार उन्हें मार भी देते थे। एक बार अंजाने में इन दोनों भाइयों ने अगस्त्य ऋषि पर भी आघात करना चाहा। इस पर अगस्त्य ऋषि ने अपने तपोबल से वातापी को उदरस्थ कर नष्ट कर दिया और दंडक वन को उनके अत्याचारों से मुक्त कर दिया। तभी से इसे अगस्त्य तीर्थ भी कहा जाने लगा।

ऐतिहासिक महत्ता: सन 547-757 तक बादामी नगर, चालुक्यवंशी राजाओं की राजधानी रही है। यहां के पराक्रमी सम्राट पुलकेशिन द्वितीय ने ही उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन को पराजित किया था। इसी सम्राट पुलकेशिन के पुत्रों मंगलेश और कीर्तिवर्मन ने यहां के पर्वतों को काटकर गुफा और मंदिरों का निर्माण कराया था। वही प्राचीन गुफाएं और मंदिर, बादामी गुफाओं के नाम से प्रसिद्ध हैं।

मौजूद हैं प्राचीन प्रतिमाएं: यहां प्रमुख रूप से चार गुफाएं हैं। इन 4 गुफाओं में पहली गुफा हिंदू देवी-देवताओं को समर्पित है, जिसे नटराज गुफा कहा जाता है। इसमें अर्धनारीश्वर, हरिहर रूप और 18 भुजाओं वाली नटराज की प्रतिमा है, जो देश में अन्यत्र नहीं है। नटराज की मूल प्रतिमा, जो तमिलनाडु के चिदंबरम में है, में भी 16 हाथ हैं। इस गुफा में एक मूर्ति ऐसी भी है, जिसे एक ओर से ढंकने पर हाथी और एक ओर से ढंकने पर नंदी की प्रतिमा दिखाई देती है। इन गुफाओं की एक विशेषता यह भी है कि यहां पर प्रतिमाओं के साथ ही शिल्पकारों के नामों को भी उकेरकर उन्हें अमर कर दिया गया है।

एक अन्य गुफा भगवान विष्णु को समर्पित है। इस गुफा में भूदेवी के साथ वराह और वामन अवतार की विशाल प्रतिमाएं बनी हैं। समुद्रमंथन, कृष्णलीला और अन्य पौराणिक आख्यानों के दृश्य भी बहुत सुंदरता से इस गुफा में उकेरे गए हैं। गुफाओं के विशाल स्तंभों पर सुंदर और महीन कलात्मक कारीगरी की गई है। ये कलाकारी इतनी मोहक है कि जिन्हें स्थानीय साड़ियों के निर्माता भी ऐसी डिजाइन की साड़ियां बनवाते हैं। गुफा की ऊपरी छत पर ऐसे स्वास्तिक बने हैं, जिनका प्रारंभ और अंत का भी आभास नहीं होता है। आपने शेषनाग पर शयन करते भगवान विष्णु की प्रतिमा तो देखी होगी लेकिन शेषनाग पर विराजित भगवान विष्णु की प्रतिमा आप यहीं पर देख पाएंगे। यहां 578 ईसवी में निर्मित कन्नड़ लिपि में लिखा गया एक शिलालेख भी है। इसमें मंगलेश द्वारा एक गांव को दान में दिए जाने का उल्लेख है। तीसरी गुफा भी भगवान शिव को समर्पित की गई है। जबकि चौथी गुफा में जैन तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियां बनी हैं। इसमें भगवान वर्धमान, महावीर, पार्श्वनाथ तथा बाहुबली की सुंदर प्रतिमाएं सुशोभित हैं।

कुछ ऐसे प्रमाण भी मिलते हैं कि चालुक्य वंश के शासकों ने पहले शैव, वैष्णव और फिर जैन पंथ को अपनाया। इसीलिए इन गुफाओं में इनकी प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। यह प्राचीन काल में धार्मिक समन्वय का सशक्त उदाहरण है। शाम के समय में इन गुफाओं की शोभा देखते ही बनती है। इन गुफाओं के कारण ही बादामी नगर विश्व में प्रसिद्ध हुई है। यह स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है।

अन्य दर्शनीय स्थल: इन बादामी गुफाओं के नीचे अगस्त्य तालाब के दाहिनी ओर आगे चलने पर खंडहरों के प्रतीक आज भी मिलते हैं। यहां पर अनेक चलचित्रों का फिल्मांकन भी हुआ है। गुफाओं के नीचे आने पर अगस्त्य तालाब के किनारे प्राचीन सूर्य मंदिर है। तालाब के एक कोने पर भगवान शिव को समर्पित द्रविड़ शैली में बना भूतनाथ मंदिर समूह है, जिसे 7वीं सदी में बादामी चालुक्यों द्वारा बनवाया गया था। यहां 12वीं सदी में कल्याणी चालुक्यों द्वारा मल्लिकार्जुन मंदिर समूह का निर्माण कराया गया था। भगवान विष्णु और शिव को समर्पित यह मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। इनके निर्माण की शिल्पकला में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। पास में ही एक भैरव मंदिर है, जिसकी चट्टान पर कई पौराणिक चित्र उकेरे गए हैं। यहीं से चार किमी की दूरी पर बादामी चालुक्यों की कुलदेवी बनशंकरी देवी का मंदिर है, जिसे मां पार्वती का अवतार माना जाता है। इसकी स्थापना अगस्त्य ऋषि ने की थी। मंदिर के पास में ही दर्शनार्थियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। यहां गर्मी के मौसम को छोड़कर पूरे वर्ष में कभी भी जाया जा सकता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अतुल मलिकराम

फील्ड कोई भी हो, बतौर टीम लीडर काम करने की ख्वाहिश प्रायः सभी को होती है। लेकिन टीम लीडर के रूप में सक्सेसफुल होने के लिए अपने काम में एक्सपर्ट होने के साथ ही आपके अंदर कुछ लीडरशिप क्वालिटीज का होना भी जरूरी है। क्या हैं वो क्वालिटीज, जानिए।

ये क्वालिटीज बनाएंगी सक्सेसफुल टीम लीडर

महात्मा गांधी की इस उक्ति 'आप खुद के भीतर वह बदलाव लाएं, जो आप लोगों में देखना चाहते हैं।' को अच्छे लीडरशिप के सबसे महत्वपूर्ण गुणों में से एक के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है। एक अच्छे लीडर में कुछ मूलभूत गुणों का होना आवश्यक है। आत्मविश्वास, संचार कौशल, दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता, ईमानदारी आदि गुणों की अपेक्षा एक टीम लीडर से की जाती है। एक अच्छा लीडर ऐसे निर्णय लेता है, जो उसकी टीम या संगठन के हित में हो।

पॉजिटिव एटिट्यूड: एक टीम लीडर के रूप में जरूरी है कि आप अपना एटिट्यूड हमेशा पॉजिटिव रखें। आप अपने टीम मेंबर्स को आगे बढ़ने में हमेशा मदद करें। आपके डिसिजंस ऐसे होने चाहिए, जिसे आपकी टीम बेझिझक स्वीकार करती हो। एक अच्छे टीम लीडर के रूप में आपको अपनी टीम की हर जरूरत की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही टीम मेंबर्स के हार्ड वर्क और अचीवमेंट्स के लिए उन्हें रिवॉर्ड भी जरूर देना चाहिए। एक टीम लीडर के रूप में विश्वास रखें कि आपकी टीम मजबूत है, यहां हर कोई अपनी भूमिका अच्छे से निभाना जानता है और अपना टार्गेट अचीव करने की क्षमता रखता है।

बढ़ाएं टीम मेंबर्स का हौसला: एक अच्छे टीम लीडर को चाहिए कि वह अपने टीम मेंबर्स को, अपने कुलीग्स को हमेशा मोटिवेट करता रहे। आगे बढ़कर नेतृत्व करने का गुण या सार्थक नेतृत्व हमेशा ही लीडर की परछाई के समान साथ-साथ चलता है। एक लीडर के रूप में आपका पॉजिटिव बिहेवियर और लीडरशिप टीम मेंबर्स को अधिक गहराई से और पूरी तरह से बदलने की ताकत रखता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी टीम अधिक सकारात्मक हो, तो सबसे पहले आपको सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। यदि आप चाहते हैं कि टीम मेंबर्स अपने काम को बिना किसी गलती के बेहतरी से पूरा करें, तो आपको उनके ऊपर विश्वास रखना होगा और उनके भीतर आत्मविश्वास जगाना होगा। उनकी कम्युनिकेशन स्किल्स और अपीयरेंस आदि पर विशेष तौर पर ध्यान दें और बेझिझक उन्हें सही सलाह देते रहें। साथ ही आपको चाहिए कि आप उनकी मदद करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें।

स्वयं बनें उदाहरण: अगर आप चाहते हैं कि आपके टीम मेंबर्स समय से कार्यस्थल पर आएं और अपना हर काम समय पर पूरा करें, तो पहले आपको स्वयं समय से पहले या समय से वर्कप्लेस पर आने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें वक्त की पाबंदी के फायदे बताएं। अपना और अपनी सफलता का उदाहरण देकर उन्हें समझाएं। याद रखिए, सफल नेतृत्व के तीन सबसे कारगर सिद्धांत हैं- उदाहरण, उदाहरण और उदाहरण। आप अपनी टीम के लिए कितना बड़ा और प्रभावी उदाहरण बन सकते हैं या पेश कर सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। लेकिन यकीन मानिए, आपके ऐसा करने का आपकी टीम पर बहुत पॉजिटिव इफेक्ट पड़ेगा। *

चिंता / के.पी. सिंह

विलुप्ति की कगार पर सोन चिरैया

सोन चिरैया यानी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, भारत के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा रही है। यह पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। कभी बहुतायत में पाई जाने वाली सोन चिरैया धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है।

अनोखी शारीरिक संरचना: सोन चिरैया का वैज्ञानिक नाम 'अर्देवोटिस निग्रिसेप्स' है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी नुमा संरचना होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है। यह मानसून के दौरान प्रजनन करती है। नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच जैसी संरचना उभर आती है। नर, मादा को बुलाने के लिए अपने पाउच से एक विशेष किस्म की आवाज निकालता है। सोन चिरैया सुबह और शाम के समय सक्रिय रहती है। दिन के समय यह प्रायः निष्क्रिय रहती है।

अत्यंत संकटग्रस्त: चिंताजनक बात यह है कि गीतों, कविताओं और लोककथाओं की शान रही भारत की यह खास चिड़िया लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। आईयूसीएन की रेड डाटा लिस्ट में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है।

लुप्त होने के कारण: सोन चिरैया के लुप्त होने के अनेक कारण हैं। पहले इसका आवास घास के मैदानों और खेतों के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान और खेत कम होने से इसके आवास की समस्या पैदा हो गई है। एक कारण यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों, लोमड़ियों या अन्य पशुओं द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। अपनी कमजोर दृष्टि के कारण ये कांटों, बिजली के तारों आदि में फंसकर मरे जाते हैं।

संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास: सोन चिरैया के संरक्षण के लिए आईयूसीएन, केंद्र एवं राज्यों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मसलन, इसके शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें सुरक्षित आवासों में रखकर प्रजनन करवाया जाता है। इन सबके अलावा एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय के लोग भी सोन चिरैया के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। *

लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन

बेहतर शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। इसीलिए दुनिया भर में लोग अच्छी नींद के लिए तरह-तरह की तरकीबें अपनाते हैं।

अच्छी नींद के लिए अजब-गजब उपाय

कई शोध ऐसे हो चुके हैं, जिनमें अच्छी नींद को मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया गया है। अच्छी नींद के लिए चिकित्साविज्ञानी तरह-तरह के उपाय भी बताते रहे हैं, जैसे अंधेरे कमरे में सोना, ठंडे बेडरूम में सोना, बेड टाइम पर स्क्रीन से दूर रहना, रेग्युलर एक्सरसाइज करना आदि। लेकिन इन सब से हटकर दुनिया के विभिन्न देशों में लोग अच्छी नींद के लिए कुछ अलग तरह के उपायों को भी अपनाते हैं।

सोने से पहले पैर धोना: चीन में अच्छी, लंबी और गहरी नींद के लिए लोग गर्म पानी में पैर डुबोते हैं और एक्सफोलिएशन भी करते हैं। इससे हाइजीन के साथ-साथ ब्लड सर्कुलेशन भी दुरुस्त होता है और ब्लड वेसल्स भी ब्लॉक नहीं होती हैं। पैर गर्म रहने और बॉडी टेंपरेचर कम होने से नींद जल्दी आती है। यहां कुछ लोग फुट मसाज और स्पा ट्रीटमेंट लेते हैं। अरोमाथेरेपी लेते हैं और पैरों में गरम तौलिया भी लपेटते हैं। इससे उनकी दिन भर की थकान दूर हो जाती है और सुकून की नींद आती है।

कपल्स लेते हैं स्लीप डाइवोर्स: अमेरिका में अच्छी नींद के लिए कपल्स स्लीप डाइवोर्स का आइडिया अपनाते हैं। इसके तहत पार्टनर अलग-अलग बेड पर सोते हैं। कई कपल तो अलग-अलग रूम में भी सोते हैं ताकि नींद में खलल न पड़े।

पेट्स के साथ सोना: एक सर्वे के मुताबिक कनाडा के डॉग ऑनर्स में से कम से कम 75 फीसदी लोग अपने कुत्ते के साथ बेडरूम में सोना पसंद करते हैं, जबकि बिल्ली पालने वालों में से कम से कम 50 फीसदी लोग बिल्लियों को साथ लेकर सोते हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके में कम से कम 65 फीसदी लोग अपने पालतू के साथ सोते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि अपने पालतू पशुओं के साथ सोने से अच्छी और बेफिक्र नींद आती है। यूनिवर्सिटी आफ टोरंटो में इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड सैमसंग कहते हैं कि डॉग का साथ इंसान को सुरक्षा का एहसास देता है। यही वजह है कि अपने पेट डॉग के साथ लोग निश्चिंत और बेफिक्र होकर सोते हैं।

तकिए के नीचे डॉल रखकर सोना: ग्वाटेमाला में पुरानी परंपरा है कि लोग अपने तकिए के नीचे एक छोटी-सी डॉल रखकर सोते हैं, जिसका नाम है- वरी डॉल। मान्यता है कि वरी डॉल लोगों की चिंता या डर को दूर करती है। इससे उन्हें काफी कंफर्ट महसूस होता है। कई मनोवैज्ञानिकों और स्लीप एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए अध्ययन में पता चला है कि इन वरी डॉल्स की उपस्थिति से लोगों का एंजायटी लेवल काफी कम हो जाता है, जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है। *

हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मैडी के नाम से पॉपुलर एक्टर आर. माधवन की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस अलग-सी रोमांटिक फिल्म को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इसके लिए उन्हें कैसी तैयारियां करनी पड़ीं? इस फिल्म, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें आर. माधवन से।

मनोरंजन का कामयाब जरिया बन गया है ओटीटी: आर. माधवन

मुलाकात / पूजा सामंत

आर. माधवन हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में समान रूप से एक्टिव हैं। वे एक अच्छे एक्टर होने के साथ-साथ सहज, मिलनसार और डाउन टु अर्थ इंसान भी हैं। वर्ष 2001 में रिलीज 'रहना है तेरे दिल में' बतौर लीड एक्टर माधवन की पहली हिंदी फिल्म थी। हमेशा चुनिंदा फिल्मों में नजर आने वाले माधवन, नेटफ्लिक्स की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' में फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को निर्देशित किया है विवेक सोनी ने। पेश है आर. माधवन से इस फिल्म और करियर पर हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी फिल्म 'आप जैसा कोई' रिलीज हो रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताइए। इस रोमांटिक फिल्म को करने के पीछे क्या वजह रही?

लेखक-निर्देशक विवेक सोनी ने जब मुझे फिल्म की कहानी सुनाई तो मुझे इस प्रेम कहानी का अनोखापन बहुत पसंद आया। प्रेम के रिश्ते में लड़का-लड़की दोनों एक ही लेवल पर होते हैं। न लड़का खुद को ग्रेट समझे, न लड़की। यह इक्कीसवीं सदी की प्रेम कहानी है। बिल्कुल इस दौर की कहानी। प्रेम के रिश्ते में लड़की अगर प्यार की पहल करे तो क्या बुराई है? फिल्म का हीरो यानी मैं संस्कृत सिखाने वाला प्रोफेसर हूं। मेरी शादी 40 की उम्र तक नहीं होती है। मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर मेरी मुलाकात एक युवती (फातिमा सना शेख) से होती है, जो काफी मॉडर्न खयालात की है। उसे मेरे घर के लोग मना कर देते हैं। फिर क्या होता है? क्या हमारा रिश्ता आगे बढ़ता है? इसके इर्द-गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। मुझे यह प्लॉट, मेरा किरदार (श्रीरेणु) सब बहुत पसंद आया।

'आप जैसा कोई' के एक दृश्य में आर. माधवन और फातिमा सना शेख

श्रीरेणु का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारियां करनी पड़ीं?

मेरी रियल एज 55 साल है। लेकिन फिल्म में मेरा किरदार श्रीरेणु 40 के आस-पास का है। मुझे अपनी उम्र से 15 वर्ष कम का दिखना था। इसके लिए मैंने जिम जाकर काफी वर्कआउट किया। स्क्रीन पर उम्र कम दिखे इसलिए मुझे अपनी दाढ़ी हटानी पड़ी, क्लीन शेव रखनी पड़ी। हालांकि मैं अपना दाढ़ी वाला लुक बदलना नहीं चाहता था। मेरे लिए यह बड़ा बदलाव था। फिल्म में मेरे कैरेक्टर की साइकोलॉजी को समझना था। कुल मिलाकर मुझे इस कैरेक्टर के लिए खुद को तैयार करने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

इस फिल्म में अधेड़ उम्र के पुरुष का प्यार दिखाया गया है। आपकी नजर में क्या समाज ऐसे प्यार को स्वीकार करता है?

समाज का क्या है, वो तो हर कंडीशन में कुछ न कुछ कहता ही रहता है। दंपति में उम्र का फासला ज्यादा हो तो दिक्कत, उम्र एक सी हो दोनों की तो भी कहने वाले कहते रहेंगे, पति-पत्नी की हाइट में बहुत फर्क हो तो भी कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। लेकिन मेरा मानना है कि अब सामाजिक परिवर्तन हो रहा है, स्वीकार्यता बढ़ रही है।

सुना है, 'आप जैसा कोई' फिल्म की शूटिंग के दौरान आप जमशेदपुर स्थित अपने पुश्तैनी घर भी गए थे, कैसा रहा वहां जाने का अनुभव?

जमशेदपुर में मेरा जन्म हुआ था। कई वर्षों तक मेरा वहां जाना नहीं हुआ। जब इस फिल्म की शूटिंग उस इलाके (हुगली) में हो रही थी तो मैं टाइम निकालकर अपने पुश्तैनी घर जमशेदपुर गया। बचपन में जो घर मुझे बहुत बड़ा लगता था, इस बार छोटा नजर आया। जो लोग मेरे पड़ोस में थे, अब उनमें से शायद ही कोई वहां था। मैंने वहां आइसक्रीम, स्वीट्स को एंज्वॉय किया। अपने पुराने घर की ढेर सारी यादों को साथ लेकर मैं वापस आया।

आपने टीवी से डेब्यू किया था। फिर आपने साउथ, हिंदी, अंग्रेजी फिल्मों में काम किया। और अब 'आप जैसा कोई' फिल्म से आप ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री कर रहे हैं। इस बारे में क्या कहना चाहेंगे आप?

सभी जानते हैं, ओटीटी आज के दौर में मनोरंजन का बेहद कामयाब जरिया है। यहां फिल्में भी आती हैं, डॉक्यूमेंटरी सीरीज और वेब सीरीज भी। अब कलाकारों के लिए यह मायने नहीं रखता कि वे किस प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हैं। अच्छे मौके आए तो बॉलीवुड क्या, हॉलीवुड क्या, ओटीटी क्या और टीवी क्या? किस माध्यम के लिए मैं कंटेंट बना रहा हूं यह मेकर को अहसास हो, तो वो उस माध्यम का लाभ उठाकर उम्दा कंटेंट दे सकता है। बहरहाल, मैं इस वर्ष बड़े परदे यानी सिनेमा के लिए भी काम कर रहा हूं। 'दे दे प्यार दे 2' और 'धुरंधर' मेरी दो फिल्में इसी वर्ष रिलीज होंगी। *

• मैं ये सब नहीं कर सकता

आर. माधवन इतनी अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं लेकिन क्या कुछ ऐसे काम भी हैं, जो वह नहीं कर सकते? पूछने पर वह बताते हैं, 'मैं फूडी हूं इसलिए डाइटिंग नहीं कर सकता। मुझे आंकड़ों से नफरत है। मैं अपने फाइनेंसियल मैटर्स को मैनेज नहीं कर सकता, मेरी पत्नी सरिता यह काम संभालती हैं। सरिता ने मुझे क्रेडिट कार्ड दे रखा है। मैं अपने जरूरी खर्चे क्रेडिट कार्ड से चला लेता हूं। कैश खोने का डर रहता है। मेरे जितने भी बैंक अकाउंट्स हैं, वो सरिता के नाम पर हैं। मेरी हमसफर के अलावा वो मेरी कैशियर, बैंक मैनेजर भी है।'